सत्यमेव जयते

बिहार विधान सभा

की

पर्यटन उद्योग संबंधी समिति

का

पंचम प्रतिवेदन

वर्ष 2025–2026

(पर्यटन विभाग से संबंधित)

बिहार में पर्यटन विकास के लिये पर्यटन उद्योग संबंधी समिति का पंचम (5वां) प्रतिवेदन

बिहार विधान सभा सचिवालय, पटना
(पर्यटन उद्योग संबंधी समिति शाखा द्वारा प्रकाशित)

(सदन में उपस्थापित करने की तिथि 25.......7.......2025 ई0)

विषय सूची

		पृष्ठ
1.	पर्यटन उद्योग संबंधी समिति के सदस्यों की सूची	क
2.	प्राक्कथन	ख
3.	प्रतिवेदन, निष्कर्ष एवं समिति की अनुशंसाएँ	1-3
4.	परिशिष्ट	4-69

बिहार विधान सभा सचिवालय

पर्यटन उद्योग संबंधी समिति के सदस्यों की सूची

वर्ष 2025–26

सभापति

1. श्री सत्यदेव राम	स०वि०स०

सदस्यगण

1 श्री सूर्यकान्त पासवान	स०वि०स०
2. श्री बीरेन्द्र कुमार	स०वि०स०
3. श्री संजय कुमार सिंह	स०वि०स०
4. श्री (डॉ०) संजीव कुमार	स०वि०स०
5. श्री महा नंद सिंह	स०वि०स०
6. श्री अमर कुमार पासवान	स०वि०स०
7. श्री विनय कुमार	स०वि०स०
8. श्री शिव प्रकाश रंजन	स०वि०स०

सभा सचिवालय के पदाधिकारीगण

1. श्रीमती ख्याति सिंह	प्रभारी सचिव
2. श्री राजीव कुमार	निदेशक
3. श्री उमा शंकर यादव	उप-सचिव
4. श्री बिनोद कुमार यादव	अवर-सचिव
5. श्री अमितेश रंजन	प्रशाखा पदाधिकारी
6. श्री सुनील कुमार	सहायक प्रशाखा पदाधिकारी
7. श्री चमन कुमार	सहायक प्रशाखा पदाधिकारी
8. श्री विमल आनन्द	सहायक प्रशाखा पदाधिकारी

प्राक्कथन

मैं सभापति की हैसियत से बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 211 के अनुसरण में पर्यटन उद्योग संबंधी समिति का पंचम प्रतिवेदन सदन के समक्ष उपस्थापित करता हूँ।

पर्यटन विभाग के पदाधिकारियों के साथ की गयी बैठकों तथा बैठकों में पर्यटन उद्योग के विकास संबंधित बिन्दुओं पर विमर्श किया गया समिति द्वारा दिनांक 18 सितम्बर, 2024 से 22 सितम्बर, 2024 तक राज्य के अन्दर मुजफ्फरपुर, सुपौल, सहरसा एवं पूर्णियाँ जिलों के स्थल अध्ययन यात्रा के क्रम में उक्त जिलों में अवस्थित विभिन्न पर्यटक स्थलों का निरीक्षण किया जिसमें पर्यटन विभाग का सकारात्मक सहयोग रहा।

समिति के माननीय सदस्यों के साथ-साथ पर्यटन विभाग तथा सभा सचिवालय के सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद देता हूँ, जिनके सहयोग से यह प्रतिवेदन उपस्थापित करना संभव हो सका है।

सत्यदेव राम,
सभापति,
पर्यटन उद्योग समिति,
बिहार विधान सभा, पटना।

पटना :
दिनांक जुलाई, 2025 (ई०)।

प्रतिवेदन

पर्यटन उद्योग संबंधी समिति
प्रतिवेदन

बिहार राज्य में पर्यटन उद्योग को विकसित करने हेतु सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। समिति के गठन के बाद से ही विभागीय बैठकों के माध्यम से पदाधिकारियों से प्रतिवेदन लेकर पर्यटन के विकास एवं संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कार्य किये जा रहे हैं। न राज्य में असंख्य ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थल हैं जो बिहार के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है। समिति द्वारा प्रश्नावली तैयार कर सभा सचिवालय के पत्रांक 730, दिनांक 24 मई, 2023 (परिशिष्ट-1) पत्रांक 912, दिनांक 31 जुलाई, 2024 (परिशिष्ट-2) एवं पत्रांक 976, दिनांक 31 अगस्त, 2023 (परिशिष्ट-3) के द्वारा प्रेषित प्रश्नावली पर विभाग से प्राप्त विभागीय पत्रांक 1858, दिनांक 03 अगस्त, 2023 (परिशिष्ट-4) एवं (परिशिष्ट-5) प्रतिवेदन के आलोक में समिति द्वारा प्रतिवेदन में दर्शाएं गये आंकड़ों की उपलब्धि जानने के लिये दिनांक 18 सितम्बर, 2024 से दिनांक 22 सितम्बर, 2024 तक राज्य के अन्दर मुजफ्फरपुर, सुपौल, सहरसा एवं पूर्णियां जिलों का स्थल अध्ययन किया एवं पर्यटन स्थलों का निरीक्षण किया गया। पर्यटन विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह प्रतिवेदन दिया जा रहा है।

जिला-मुजफ्फरपुर दिनांक 19 सितम्बर, 2024

मुजफ्फरपुर जिला में जो भी पर्यटक स्थल हैं उसमें सबसे प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ मंदिर है। यहां हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ का दर्शन करने के लिये आते हैं। सावन माह में तो यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोक काँवर लेकर जल चढ़ाने के लिये आते हैं। लेकिन यहा शौचालय और गेस्ट हाउस की उचित व्यवस्था नहीं रहने के कारण श्रद्धालुओं को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

चामुंडा मंदिर भी प्रसिद्ध मंदिर हैं, यहां भी प्रशासन द्वारा उचित देख-रेख नहीं होने के कारण कुव्यवस्था फैली रहती है। कई जगह देखा गया है कि टेंडर हो गया है। पैसा भी आवंटित हो गया लेकिन काम नहीं हो पाया है। सरकार की जो भी योजनाएं हैं उसमें विभाग ने क्या प्रगति की है समिति को प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाये।

जिला-सुपौल दिनांक 20 सितम्बर, 2024

सुपौल जिला में जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित पर्यटन स्थलों में माँ दुर्गा मंदिर, महादेव मंदिर एवं अनेकों मंदिर हैं। जहां सालों भर कार्यक्रम चलते रहता है। इन पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता के आधार पर श्रेणी 'ए' श्रेणी 'बी' श्रेणी 'सी' एवं श्रेणी 'डी' में कैटोगराइज किया जाये।

महोत्सव मनाने के लिये कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा 4.50 लाख राशि का बजट होता है। महादेव मंदिर में एक दिन का कार्यक्रम के लिये दो लाख रुपये की राशि आती है।

राज्य सरकार और केन्द्र सरकार द्वारा हर स्तर पर पर्यटकीय क्षेत्रों को बढ़वा देने पर जोर दे रही है। लेकिन यहां आने पर पता चला है कि मात्र दो ही मुख्य पर्यटकीय स्थल हैं।

समाचार-पत्र के माध्यम से दीन-भद्री मंदिर के बारे में जानकारी प्राप्त हुयी जो देवता के रूप में है। पर्यटकीय स्थल के रूप में चिन्हित करने के लिये जो शर्तें होती है उनकों पूरा करते हुये पर्यटक स्थलों की संख्या बढ़ाई जाये।

जिला-सहरसा दिनांक 21 सितम्बर, 2024

स्थल निरीक्षण के क्रम में मत्स्य गंधा झील का निरीक्षण किया गया, मत्स्य गंधा झील की स्थिति दयनीय है और साफ-सफाई की व्यवस्था भी नहीं है। जिला प्रशासन मत्स्य गंधा झील की साफ-सफाई बंद पड़े बोट को फिर से चालू करवाने, झील का जीर्णोद्धार करने एवं पर्यटन स्थल के रूप में पहचान दिलाने का हर संभव प्रत्यन करें। पर्यटकों के बढ़ने से सरकार को भी आमदनी होगी।

बाबा कारू खिरहर प्रमण्डलीय संग्रहालय एक राष्ट्रीय धरोहर है। यहां साफ-सफाई, देख-रेख एवं लाइटिंग की व्यवस्था नहीं है। इसे जीर्णोद्धार कर संरक्षित किया जाना चाहिये।

प्राचीन माँ विषहरा भगवती मंदिर, दिवारी स्थान लोगों की आस्था का एक प्रसिद्ध स्थल है। यहां भारी संख्या में पर्यटकों का आना होता है। यहां गेस्ट हाउस, शौचालय, पेयजल, धर्मशाला एवं प्रोपर लाइटिंग आदि की व्यवस्था नहीं है। उग्रतारा स्थान पर्यटकीय स्थल के रूप में विकसित हो रहा है।

जिला-पूर्णियाँ दिनांक 22 सितम्बर, 2024

स्थल अध्ययन यात्रा के दौरान समिति की बैठक में दिनांक 22 सितम्बर, 2024 को 09 बजे पूर्वा० में बैठक निर्धारित थी, परन्तु बैठक में कई महत्वपूर्ण पदाधिकारी 11 बजे पूर्वा० तक उपस्थित नहीं हुये जिसके कारण समिति को महत्वपूर्ण विषय पर विचार-विमर्श और स्थल निरीक्षण में काफी कठिनाई हुई। पदाधिकारियों की अनुपस्थिति को समिति अपनी उपेक्षा मानते हुये आगे के लिये स्थल अध्ययन यात्रा स्थगित कर दी गयी।

निष्कर्ष एवं समिति की अनुसंशाएँ

1. मुजफ्फरपुर जिला के बाबा गरीब नाथ मंदिर का स्थल निरीक्षण के क्रम में समिति ने महसूस किया कि यहां शौचालय की उचित व्यवस्था, गेस्ट हाउस की व्यवस्था सहित कई कमियां हैं, बहुत सी कुव्यवस्थाएं हैं जिन्हें सुधार किया जाना है।
2. चामुंडा मंदिर के स्थल निरीक्षण में भी समिति ने पाया कि जिस अनुपात में श्रद्धालु मंदिर में आते हैं उस अनुसार उनके लिये व्यवस्था का ध्यान नहीं रखा गया है। यहां यात्री सुविधाओं का उचित प्रबंधन किया जाना चाहिये।
3. सुपौल जिला में स्थल निरीक्षण में समिति ने पाया कि जितने भी पर्यटकीय स्थल हैं उन्हें अभीतक श्रेणियों में कैटोगराइज नहीं किया गया है। कैटोगराइज किये जाने से प्राथकिमता के आधार पर पर्यटक स्थल के विकास में तेजी आयेगी।

4. सुपौल जिला में जिला स्तर पर मात्र दो ही पर्यटक स्थल चिन्हित किये गये हैं, जबकि अन्य छोटे-बड़े पर्यटक स्थलों को चिन्हित कर विकास कार्य किया जाना चाहिये।
5. दीना भद्री मंदिर को श्रेणी 'ए' में रखकर विकसित किया जाना चाहिये।
6. सहरसा जिला के मत्स्य गंधा झील के निरीक्षण क्रम में समिति ने पाया कि साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं है जो वोट झील में चलते थे वे बंद है। साफ-सफाई की उचित व्यवस्था और बंद पड़े वोट को चालू कर झील का जीर्णोद्धार किया जा सकता है।
7. बाबा कारू खिरहर प्रमंडलीय संग्रहालय के निरीक्षण क्रम में समिति ने पाया कि पर्याप्त मात्रा में लाइटिंग की व्यवस्था नहीं है, साफ-सफाई का अभाव है। रंग-रोगन एवं मरम्मती की आवश्यकता है।
8. माँ विसहरा भगवती मंदिर के स्थल निरीक्षण क्रम में पाया कि पर्यटकों की सुविधा के लिये यहां गेस्ट हाउस, शौचालय, पेयजल, धर्मशाला एवं उचित रोशनी की व्यवस्था नहीं है जिसकी व्यवस्था कर पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है।
9. उग्रतारा स्थान मंदिर में भी साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल एवं लाइटिंग का अभाव है जिसकी व्यवस्था की जानी चाहिये।
10. पूर्णियाँ जिला के स्थल निरीक्षण के क्रम में माँ कामाख्या मंदिर का स्थल निरीक्षण किया गया। यहां यात्रियों की सुविधा का पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

बैठक के लिये निर्धारित समय 9 बजे पूर्वा० में रखी गयी परंतु 11 बजे पूर्वा० तक कई महत्वपूर्ण विभागों के पदाधिकारियों बैठक में उपस्थित नहीं हुये जिसे समिति ने गंभीरता से लिया। पदाधिकारियों का निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होना समिति ने अपनी उपेक्षा समझा और सर्वसम्मति से दिनांक 22 सितम्बर, 2024 को ही स्थल अध्ययन यात्रा स्थगित कर समिति पटना के लिये प्रस्थान कर गयी।

सत्यदेव राम,
सभापति,
पर्यटन उद्योग संबंधी समिति,
बिहार विधान सभा, पटना ।

पटना :
दिनांक जुलाई, 2025 (ई०)।

परिशिष्ट

परिशिष्ट-1

पत्र संख्या-प०उ०सं०स०-04/2020-730/वि०स०

बिहार विधान सभा सचिवालय

प्रेषक

विमलेन्दु भूषण कुमार,

उप-सचिव,

बिहार विधान सभा, पटना ।

सेवा में

प्रधान सचिव,

पर्यटन विभाग,

बिहार सरकार, पटना।

पटना, दिनांक 24 मई, 2023 (ई०)।

विषय--प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के संबंध में ।

महाशय,

निदेशानुसार सूचित करना है कि बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की दिनांक 28 अप्रील, 2023 को 12.00 बजे शुरू हुयी विभागीय बैठक में आपसे हुये विचार-विमर्श के उपरांत निम्नलिखित विचारणीय बिन्दुओं पर प्रतिवेदन की अपेक्षा की गयी है:--

1. खगड़िया जिला अन्तर्गत अगवानी एवं भरतखंड तथा कत्यायनी देवी मंदिर का आर्किटेक्ट द्वारा स्थल निरीक्षण करने के संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध करावे।
2. खगड़िया जिला अन्तर्गत कत्यायनी देवी मंदिर तक जमीन को चिन्हित कर सड़क बनाने एवं मंदिर में पर्यटकीय सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन।
3. अरवल जिला के मधुश्रवा, जनकपुर धाम तथा हजरत मखदूम शाह का दरबार को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन ।
4. किसान आंदोलन का चर्चित स्थान गयाजी जिला के नियामदपुर स्थान को विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।

5. औरंगाबाद जिला के देवकुंड को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन ।
6. पटना जिला अन्तर्गत कंगन घाट एवं दीघा घाट में वॉटर स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट की प्रशासनिक स्वीकृति के संबंध में अद्यतन प्रतिवेदन।
7. समस्तीपुर जिला अन्तर्गत सिंघिया प्रखण्ड के पांडु स्थल की खुदाई करने के संबंध में कला एवं संस्कृति विभाग से पत्राचार करने के संबंध में प्रतिवेदन।
8. मधुबनी जिला अन्तर्गत गिरिजा मँदिर हरलाखी, कलना कलानेश्वर, राजा जनक पूजित शिव मँदिर तथा विश्वामित्र स्थान, विसौल को अतिक्रमणमुक्त कर सौंदर्यीकरण कराने के विषय पर प्रतिवेदन।
9. सीवान जिला अन्तर्गत बाबा हंसनाथ सोहागरा को केटेगरी A में करने संबंधी प्रतिवेदन।
10. देशरत्न डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के पैतृक आवास को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।
11. मोकामा के चारडीह के नजदीक वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल स्थल के पास रास्ता, धर्मशाला एवं आधारभूत संरचना विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।
12. मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत साहू पोखर मंदिर, खुदी राम बोस स्मारक फांसी स्थल, बाबा दुद्धेश्वर नाथ मँदिर, छपरामेघ, बाबा दूधनाथ मँदिर एवं मुशहरी प्रखण्ड स्थित मनिका मन को अतिक्रमण मुक्त करने एवं आधारभूत सरंचना विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।
13. मधुबनी जिला अन्तर्गत जयनगर प्रखण्ड के ग्राम पंचायत गुल्ली पट्टी में NH-105 के किनारे स्थित शीलानाथ महादेव मँदिर में पर्यटकों को सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन।
14. सीवान जिला अन्तर्गत तितिरा बंगरा बुद्धस्तूप को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में कला एवं संस्कृति विभाग से पत्राचार करने के संबंध में प्रतिवेदन।

अत: अनुरोध है कि उक्त बिन्दुओं पर वांछित विभागीय प्रतिवेदन की 15 प्रतियाँ पत्र प्राप्ति के दस दिनों के अंदर समिति के अवलोकनार्थ सभा सचिवालय को उपलब्ध कराने की कृपा की जाये।

विश्वासभाजन,
विमलेन्दु भूषण कुमार,
उप-सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना।

परिशिष्ट-2

पत्र संख्या प०उ०सं०स० 04/2020-912/वि०स०

बिहार विधान सभा सचिवालय

प्रेषक

विमलेन्दु भूषण कुमार,
उप-सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना ।

सेवा में

सचिव,
पर्यटन विभाग,
बिहार सरकार, पटना।
प्रबंध निदेशक,
बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम, पटना।

पटना, दिनांक 31 जुलाई, 2023 (ई०)।

विषय--पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की विभागीय बैठक के संबंध में ।

महोदय,

निदेशानुसार सूचित करना है कि बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की आगामी बैठक दिनांक 4 अगस्त, 2023 को 12.00 बजे मध्या० में सभा सचिवालय के विस्तारित भवन स्थित समिति कक्ष, पटना में होगी। इस बैठक में सभा सचिवालय के पत्रांक 730, दिनांक 24 मई, 2023 के द्वारा प्रेषित कुल चौदह (14) प्रश्नावली के संदर्भ में आपसे विमर्श करेगी।

विदित हो कि उक्त प्रश्नावली से संबंधित उत्तर प्रतिवेदन अबतक अप्राप्त है।

अत: अनुरोध है कि उक्त प्रेषित प्रश्नावली पर अद्यतन समेकित उत्तर प्रतिवेदन पंद्रह प्रतियों में बैठक से तीन दिन पूर्व सभा सचिवालय को उपलब्ध कराने एवं उक्त बैठक में यथा निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होने की कृपा की जाये।

विश्वासभाजन,
विमलेन्दु भूषण कुमार,
उप-सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना।

परिशिष्ट-4

संचिका संख्या पर्य०सचि०लेखा० 13/2012(खण्ड-3)-1858/वि०स०

पर्यटन विभाग

प्रेषक

उप-निदेशक,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना ।

सेवा में

विमलेन्दु भूषण कुमार,
उप-सचिव,
बिहार विधान सभा, पटना ।

पटना, दिनांक 03 अगस्त, 2023 (ई०)।

विषय--प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के संबंध में ।

प्रसंग--आपका पत्रांक 730, दिनांक 24 मई, 2023 एवं पत्रांक 912, दिनांक 31 जुलाई, 2023

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की बैठक से उद्भूत कुल चौदह (14) प्रश्नावली, जो बिहार विधान सभा सचिवालय का पत्रांक 730, दिनांक 24 मई, 2023 द्वारा प्राप्त हुआ था, का अद्यतन उत्तर प्रतिवेदन (पन्द्रह प्रतियाँ) पत्र के साथ संलग्न कर प्रेषित की जा रही है।

अनु०-यथोक्त (पन्द्रह प्रतियों में)।

विश्वासभाजन,
(ह०)अस्पष्ट,
उप-निदेशक,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की बैठक से उद्भूत सभा सचिवालय का पत्रांक 730, दिनांक 24 मई, 2023 द्वारा प्राप्त प्रश्नावली का अनुपालन प्रतिवेदन ।

क्र० प्रश्नावली

1 खगड़िया जिला अन्तर्गत अगवानी एवं भरतखंड तथा कत्यायनी देवी मंदिर का आर्किटेक्ट द्वारा स्थल निरीक्षण करने के संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध करावें।

2. खगड़िया जिला अन्तर्गत कत्यायनी देवी मंदिर तक जमीन को चिन्हित कर सड़क बनाने एवं मंदिर में पर्यटकीय सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन।

3. अरवल जिला के मधुश्रवा, जनकपुर धाम तथा हजरत मखदूम शाह का दरबार को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।

4. किसान आंदोलन का चर्चित स्थान गयाजी जिला के नियामदपुर स्थान को विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।

5. औरंगाबाद जिला के देवकुंड को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।

6. पटना जिला अन्तर्गत कंगन घाट एवं दिघा घाट में वॉटर स्पोर्टस प्रोजेक्ट की प्रशासनिक स्वीकृति के संबंध में अद्यतन प्रतिवेदन।

7. समस्तीपुर जिला अन्तर्गत सिंघिया प्रखंड के पांडु स्थल की खुदाई करने के संबंध में कला एवं संस्कृति विभाग से पत्राचार करने के संबंध में प्रतिवेदन ।

8. मधुबनी जिला अन्तर्गत गिरिजा मंदिर, हरलाखी, कलना कलानेश्वर, राजा जनक पूजित शिव मंदिर तथा विश्वामित्र स्थान विसौल को अतिक्रमण मुक्त कर सौन्दर्यीकरण करने के विषय पर प्रतिवेदन।

9. सीवान जिला अन्तर्गत बाबा हंसनाथ सोहागरा को कैटेगरी-A में करने संबंधी प्रतिवेदन।

10. देशरत्न डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के पैतृक आवास को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।

11. मोकामा के चारडीह के नजदीक वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल स्थल के पास रास्ता, धर्मशाला एवं आधारभूत संरचना विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।

12. मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत साहू पोखर मंदिर, खुदी राम बोस स्मारक फांसी स्थल, बाबा दुद्धेश्वर नाथ मंदिर, छपरामेघ, बाबा दूधनाथ मंदिर एवं मुशहरी प्रखंड स्थित मनिका मन को अतिक्रमणमुक्त करने एवं आधारभूत संरचना विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।

13. मधुबनी जिला अन्तर्गत जयनगर प्रखंड के ग्राम पंचायत गुल्ली पट्टी में एन०एच०-105 के किनारे स्थित शीलानाथ महादेव मंदिर में पर्यटकों की सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन।

14. सीवान जिला अन्तर्गत तितिरा बंगरा बुद्धस्तूप को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के संबंध में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग से पत्राचार करने के संबंध में प्रतिवेदन।

उत्तर सामग्री

1. (i) खगड़िया जिला के अगवानी में बन रहे भारत का पहला डॉल्फिन आब्जर्वेटरी के पास गेस्ट हाउस निर्माण करने से संबंधित जिला पदाधिकारी, खगड़िया से प्रतिवेदन की मांग की गयी थी। जिला पदाधिकारी के पत्रांक 02, दिनांक 6 जनवरी, 2023 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि उक्त भूमि जी०एन० बांध हेतु अर्जित की गयी थी, वर्तमान में बाँध के अतिरिक्त शेष खाली भूमि जिसका रकवा 0-15-0 (0 ए० 65.400 डी०) है, पर गेस्ट हाउस का निर्माण कराया जा सकता है। दिनांक 6 अप्रील, 2023 को बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के अभियंता, वास्तुविद एवं अंचलाधिकारी, परबत्ता द्वारा गेस्ट हाउस निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण किया गया। प्रतिवेदित किया गया कि प्रस्तावित भूमि बांध से 15 फीट (लगभग) नीचे है। भूमि पर जाने के लिये बांध से जाया जा सकता है अन्य कोई सड़क नहीं है। यह भूमि गेस्ट हाउस के लिये उपर्युक्त प्रतीत नहीं होता है।

पर्यटन विभाग के पत्रांक 1326, दिनांक 02 जून, 2023 द्वारा गेस्ट हाउस निर्माण के लिये पुनः उपयुक्त भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने हेतु जिला पदाधिकारी, खगड़िया से अनुरोध किया गया है। कृपया इस कंडिका को विलोपित करने की कृपा की जाये।

(ii) भरतखंड में पर्यटकीय विकास हेतु जिला पदाधिकारी, खगड़िया से प्रतिवेदन प्राप्त किया गया। प्रतिवेदन के अनुसार रकवा 2 एकड़ 76 डिसमिल भूमि गैर-मजरूआ खास प्रतिवेदित है। उक्त भूमि को पर्यटन विभाग को हस्तांतरित करने हेतु विभागीय पत्रांक 1853, दिनांक 03 अगस्त, 2023 द्वारा जिला पदाधिकारी, खगड़िया से अनुरोध किया गया है।

(iii) माँ कत्यायनी देवी मंदिर स्थल की भूमि के संबंध में जिला पदाधिकारी, खगड़िया का पत्रांक 20, दिनांक 27 जुलाई, 2023 द्वारा प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। प्रतिवेदन के अनुसार 6 बिगहा रकबा उपलब्ध है। स्थल का निरीक्षण आर्किटेक्ट के द्वारा किया जा चुका है। योजना अनुमोदन की कार्रवाई प्रस्तावित है।

2. माँ कत्यायनी देवी मंदिर स्थल की भूमि के संबंध में जिला पदाधिकारी, खगड़िया का पत्रांक 20, दिनांक 27 जुलाई, 2023 द्वारा प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। प्रतिवेदन के अनुसार 6 बिगहा रकबा उपलब्ध है। स्थल का निरीक्षण आर्किटेक्ट के द्वारा किया जा चुका है। योजना अनुमोदन की कार्रवाई प्रस्तावित है।

पर्यटन विभाग द्वारा सड़क बनाने का कार्य नहीं किया जाता है।

3. अरवल जिलान्तर्गत कलेर प्रखंड के मधेश्वरनाथ (मधुश्रवा) महादेव मंदिर के विकास हेतु योजना स्वीकृत करने के विचारार्थ प्रस्ताव स्कीम स्क्रीनिंग समिति को प्रेषित किया जा चुका है।

जनकपुर धाम तथा हजरत खदूम शाह को विकसित करने के संबंध में वर्तमान में कोई योजना विचाराधीन नहीं है।

4. वर्णित स्थल के संबंध में जिला पदाधिकारी, गयाजी द्वारा प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। प्रतिवेदन के अनुसार पर्यटकों की संख्या काफी कम है एवं भूमि का स्वामित्व कमला नेहरू आश्रम एवं पुस्तकालय प्रतिवेदित है। वर्तमान में प्रश्नगत स्थल पर कोई योजना विचाराधीन नहीं है।

5. जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद का पत्रांक 83, दिनांक 28 अप्रील, 2023 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि देवकुंड (पंचायत हथियारा) की भूमि बिहार धार्मिक न्यास पर्षद के अधीन है। अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं की गयी है।

तदनुसार विभागीय पत्रांक 1743, दिनांक 24 जुलाई, 2023 द्वारा सचिव, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद् से अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत करने हेतु अनुरोध किया गया है।

6. पटना जिलान्तर्गत दिघा घाट में वाटर स्पोर्टस की स्थापना हेतु स्वीकृत्यादेश संख्या 1252, दिनांक 25 मई, 2023 द्वारा राशि 251.02 लाख रुपये की योजना स्वीकृत की गयी है। इसके तहत Floating Promenade, 10 Seater Passenger Boart एक अदद 6-8 Seater Passenger Boart एक अदद, 4 Passenger Boart एक अदद, 3 Passenger Jet Attack एक अदद, Rescue Boart 8 Persons एक अदद, Life Jacket अस्सी अदद, Life Ring दस अदद, Maintenance Shed आदि कार्यघटक है। योजना का कार्यान्वयन बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किया जा रहा है। इसके रख-रखाव एवं संचालन हेतु निविदा प्रकाशित की गयी है।

पटना जिलान्तर्गत कंगन घाट में वाटर स्पोर्टस की कोई योजना वर्तमान में विभाग में विचाराधीन नहीं है। कृपया इस कंडिका को विलोपित करने की कृपा की जाये।

7. इस संबंध में विभागीय पत्रांक 1301, दिनांक 31 मई, 2023 द्वारा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग से प्रतिवेदन की मांग की गयी। उक्त के आलोक में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के पत्रांक 166, दिनांक 27 जून, 2023 द्वारा प्रतिवेदन किया गया है कि समस्तीपुर जिला अन्तर्गत सिघिंया प्रखंड के पांडु स्थल की अन्वेषण कार्य कराया जायेगा। तत्पश्चात् आवश्कतानुसार पांडु स्थल के खुदाई के निमित अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु प्रस्ताव अगले उत्खनन सत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली को भेजा जायेगा।

कृपया इस कंडिका को विलोपित करने की कृपा की जाये।

8. वर्णित स्थल के संबंध में जिला पदाधिकारी, मधुबनी से विभागीय पत्रांक 1287, दिनांक 29 मई, 2023, पत्रांक 1332, दिनांक 6 जून, 2023 पत्रांक 1487, दिनांक 22 जून, 2023, पत्रांक 1569, दिनांक 5 जुलाई, 2023 एवं पत्रांक 1723, दिनांक 20 जुलाई, 2023 पत्रांक 1738, दिनांक 21 जुलाई, 2023 द्वारा प्रतिवेदन की मांग की गयी है। प्रतिवेदन अभीतक अप्राप्त है।

9. जिला पदाधिकारी, सीवान ने अपने पत्रांक 36, दिनांक 27 जून, 2023 द्वारा प्रतिवेदित किया है कि बाबा हंसनाथ मँदिर, सोहागरा में पूजा हेतु अधिकांश पर्यटक बिहार एवं उत्तर प्रदेश से आते

है। मंदिर परिसर की कुल भूमि की रकवा 00-15-12 धूर है। मंदिर परिसर में प्रत्येक तेरस, सावनी तेरस एवं फाल्गुनी तेरस का मेला लगता है।

बाबा हंसनाथ मंदिर, सोहागरा पर्यटन स्थल की श्रेणी-A की पात्रता को पूरा नहीं करता है। अतः उक्त स्थल को श्रेणी-B में रखने हेतु जिला स्तर से अनुशंसा की गयी है।

10. देशरत्न डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के पैतृक आवास जिरादेई सीवान पुरातात्विक संरक्षित क्षेत्र है। किसी संरक्षित स्थल पर निर्माण का कार्य पर्यटन विभाग के कार्यक्षेत्र में नहीं आता है।

जिरादेई सीवान में स्वागत द्वारा का निर्माण, स्वागत द्वार के स्थलीय विकास एवं इलुमिनेशन आदि कार्य हेतु राशि 181.00 लाख रुपये की योजना स्वीकृत किया गया है। योजना के कार्यकारी एजेंसी बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम है। निविदा निष्पादन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

कृपया इस कंडिका को विलोपित करने की कृपा की जाये।

11. वर्णित स्थल के संबंध में जिला पदाधिकारी, पटना से विभागीय पत्रांक 1285, दिनांक 29 मई, 2023, पत्रांक 1334, दिनांक 6 जून, 2023 पत्रांक 1488, दिनांक 22 जून, 2023 पत्रांक 1568, दिनांक 5 जुलाई, 2023 पत्रांक 1722, दिनांक 20 जुलाई, 2023 एवं पत्रांक 1740, दिनांक 21 जुलाई, 2023 द्वारा प्रतिवेदन की मांग की गयी है। प्रतिवेदन अभीतक अप्राप्त है।

12. साहू पोखर मंदिर, खुदी राम बोस स्मारक, फांसी स्थल, बाबा दुद्धेश्वर नाथ मंदिर, छपरामेघ, बाबा दूधनाथ मंदिर एवं मुशहरी प्रखंड स्थित मनिका मन को अतिक्रमण मुक्त करने एवं आधारभूत संरचना विकसित करने के संबंध में जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर को पत्रांक 612, दिनांक 6 जून, 2023 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि उक्त स्थल अतिक्रमण मुक्त है।

मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मुशहरी प्रखंड स्थित मनिका मन में पर्यटकीय विकास हेतु स्थल भ्रमण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु वास्तुविद को निदेशित किया गया है। शेष अन्य स्थलों पर योजना विचाराधीन नहीं है।

13 वर्णित स्थल के संबंध में जिला पदाधिकारी, मधुबनी से विभागीय पत्रांक 1284, दिनांक 29 मई, 2023, पत्रांक 1336, दिनांक 6 जून, 2023, पत्रांक 1490, दिनांक 22 जून, 2023, पत्रांक 1569, दिनांक 5 जुलाई, 2023, पत्रांक 1721, दिनांक 20 जुलाई, 2023 एवं पत्रांक 1741, दिनांक 21 जुलाई, 2023 द्वारा प्रतिवेदन की मांग की गयी है। प्रतिवेदन अभीतक अप्राप्त है।

14. इस संबंध में विभागीय पत्रांक 1301, दिनांक 31 मई, 2023 द्वारा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग से प्रतिवेदन की मांग की गयी। उक्त के आलोक में कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के पत्रांक 166, दिनांक 27 जून, 2023 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि सीवान जिला अन्तर्गत तितिरा बंगरा बुद्धस्तूप/पुरास्थल का उत्खनन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, पटना अंचल, पटना द्वारा कराया गया है।

कृपया इस कंडिका को विलोपित करने की कृपा की जाये।

[illegible] अन्तर्गत समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, मधुबनी एवं सहरसा जिला में वित्तीय वर्ष 2021–22 से स्वीकृत योजना। (राशि लाख में)

क्र०	स्वीकृत वर्ष	कार्य एजेंसी	परियोजना का नाम	किये जाने वाले कार्य	स्वीकृत राशि	कार्य पूर्ण होने की स्थिति	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
			MUZAFFARPUR				
1	2023-24	BSTDC	मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मुसहरी ब्लॉक स्थित मनीका मन झील में पर्यटकीय संरचना के विकास	इस योजना के अन्तर्गत साईट का विकास, सिविल वर्क, लैण्डस्केपिंग एण्ड लाईटिंग इत्यादि कार्य किया जाना है।	476.11	निविदा की कार्रवाई प्रक्रियाधीन।	
			DIST :- SITAMARHI				
2	2023-24	BSTDC	सीतामढ़ी जिलान्तर्गत पुनौराधाम मंदिर के विकास	इस योजना के अन्तर्गत कोलोनेड, 3 डी. एनिमेशन शो, डिस्प्ले कियोस्क, वास्तुशिल्प, पार्किंग, मंडप, आंतरिक सड़कें, वाटिका का जीर्णोद्धार, कैफेटेरिया, जानकी महोत्सव क्षेत्र का विकास, चिल्ड्रेन प्ले एरिया, लव–कुश वाटिका, मूरम पाथवे, भित्ति चित्र/कला/मूर्तिकला एवं अन्य कलात्मक कार्य, स्थलीय विकास, थिमेटिक गेट इत्यादि कार्यघटक सम्मिलित हैं।	7247.00	निविदा की कार्रवाई प्रक्रियाधीन।	
3	2023-24	BSTDC	सीतामढ़ी जिलान्तर्गत पंथ पाकड़ स्थित यात्री निवास का जीर्णोद्धार कार्य	इस योजना के अन्तर्गत बिल्डिंग वर्क, इलेक्ट्रीकल वर्क इत्यादि कार्य किया जाना है।	19.43	निविदा की कार्रवाई प्रक्रियाधीन।	

क्र०	स्वीकृत वर्ष	कार्य एजेंसी	परियोजना का नाम	किये जाने वाले कार्य	स्वीकृत राशि	कार्य पूर्ण होने की स्थिति	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
			DIST :- DARBHANGA				
4	2023-24	BSTDC	दरभंगा जिलान्तर्गत कर्णाट मिथला भवन दरभंगा क्लब कैम्पस का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण	इस योजना के अन्तर्गत कर्णाट मिथला भवन दरभंगा क्लब का निर्माण इत्यादि कार्य किया जाना है।	455.14	निविदा की कार्रवाई प्रक्रियाधीन।	
			DIST :- MADHUBANI				
5	2022-23	DM- Madhubani	मधुबनी जिलान्तर्गत निर्मित मिथिला (अरबन) हाट, अररिया संग्राम का निर्माण	उक्त योजना के अन्तर्गत 1.97 एकड़ भूमि में निर्मित परियोजना के तहत पाँच सॉप कलस्टर (पचास दुकानें), एक फूड कोर्ट, टिकट ब्लॉक, प्रहरी कक्ष, जलापूर्ति एवं स्वच्छता परिसर, प्रशासनिक भवन, तोरण द्वार, पाथवे, ओपेन एयर थियेटर, मल्टीपरपस हॉल, पार्किंग आदि निर्माण कराया गया है।	299.99	पूर्ण	
6	2023-24	BSTDC	मधुबनी जिलान्तर्गत जितवारपुर में आर्ट सेन्टर का जीर्णोद्धार कार्य, फेज-1	इस योजना के अन्तर्गत मल्टीपरपस हॉल, इक्सटर्नल डेभलपमेंट इत्यादि कार्य किया जाना है।	98.53	निविदा की कार्रवाई प्रक्रियाधीन।	
7	2024-25	BSTDC	मधुबनी जिलान्तर्गत बाबा बिदेश्वर स्थान, झंझारपुर के पर्यटकीय विकास	इस योजना के अन्तर्गत बाबा बिदेश्वर स्थान में साईट का विकास, विवाह भवन का निर्माण, टवायलेट ब्लॉक, सॉप, लैण्डस्केपिंग, वॉटर सप्लाई, एक्सटरनल एवं इंटरनल विद्युत कार्य इत्यादि कार्य किया जाना है।	593.21		नई योजना

क्र०	स्वीकृत वर्ष	कार्य एजेंसी	परियोजना का नाम	किये जाने वाले कार्य	स्वीकृत राशि	कार्य पूर्ण होने की - स्थिति	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
8	2024-25	BSTDC	मधुबनी जिलान्तर्गत शांतिनाथ महादेव मंदिर, झंझारपुर के पर्यटकीय विकास	इस योजना के अन्तर्गत शांतिनाथ महादेव मंदिर में साईट का विकास, पार्किंग, ट्वायलेट ब्लॉक, घाट का निर्माण, चहारदिवारी का निर्माण, वॉटर सप्लाई, एक्सटरनल एवं इंटरनल विद्युत कार्य इत्यादि कार्य किया जाना है।	410.23		नई योजना
9	2024-25	BSTDC	मधुबनी जिलान्तर्गत कमला रिवर फ्रन्ट के दो स्थानों पर व्यू प्वांट के स्थापना	इस योजना के अन्तार्गत साईट का विकास, पार्किंग एरिया, डेक एरिया, पी.सी.सी. कार्य, भर्टीकल प्लान्टेशन, लैण्डस्केप फर्निचर, इलुमेशन साईनेज, वॉटर सप्लाई, एक्सटरनल एवं इंटरनल विद्युत कार्य इत्यादि कार्य किया जाना है।	436.38		नई योजना
10	2024-25	BSTDC	मधुबनी जिलान्तर्गत विद्यापति स्मारक, बिस्फी का विकास	इस योजना के तहत परिसर का विकास, मेमोरियल भवन का निर्माण, कैफेटेरिया, यादगार वस्तुओं का दुकान, शौचालय, संग्रहालय, पुस्तकालय, ओडियो भिजुअल शो, प्रवेश द्वार, पार्किंग का निर्माण आदि कार्य किया जाना है।	1990.73		नई योजना
				कुल राशि	**12026.75**		

ह० /२४

परिशिष्ट 3

बिहार विधान सभा सचिवालय

पत्र सं०-प०उ०सं०स०-02/2020- 976 बि०स० ।

प्रेषक,

विमलेन्दु भूषण कुमार,
उप सचिव, बिहार विधान सभा, पटना ।

सेवा में,

प्रधान सचिव,
पर्यटन विभाग,
बिहार सरकार, पटना ।

पटना, दिनांक- 31 अगस्त, 2023

विषय:- प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के संबंध में ।

महाशय,

निदेशानुसार सूचित करना है कि बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की दिनांक-04.08.2023 की बैठक में समिति द्वारा निम्नलिखित विचारणीय बिन्दुओं पर प्रतिवेदन प्राप्त करने का निदेश दिया गया है:-

1. खगड़िया जिला के अगवानी में बन रहे भारत का पहला डॉल्फिन आब्जर्वेटरी के पास गेस्ट हाउस निर्माण के लिए अनउपयुक्त भूमि किन पदाधिकारी द्वारा अर्जित या चिन्हित की गई थी । इससे संबंधित दोषी पदाधिकारी को चिन्हित कर कार्रवाई करने के संबंध में प्रतिवेदन ।
2. खगड़िया जिला के कत्यायनी देवी मंदिर में नागरिक सुविधाओं के लिए एप्रोच रोड, विद्युतीकरण, पेयजल आदि सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन ।
3. अरवल जिला के जनकपुर धाम एवं मखदुम शाह का दरबार में जनसुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन ।
4. औरंगाबाद जिला के देवकुंड को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद से एन०ओ०सी० के संबंध में प्रतिवेदन ।
5. मधुबनी जिला अन्तर्गत गिरिजा मंदिर, डलाखो, कलना कलानेश्वर राजा जनक पुजित शिव मंदिर तथा विश्वामित्र स्थान बिसौल को अतिक्रमण मुक्त कर सौन्दर्यीकरण करने के विषय पर प्रतिवेदन ।
6. सिवान जिला अन्तर्गत बाबा हंसनाथ सोहगरा के विकास के लिए स्वीकृत राशि 90 लाख 93 हजार खर्च किये जाने के संबंध में अद्यतन प्रतिवेदन ।
7. मोकामा के घारडीह के नजदीक वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल स्थल के पास रास्ता, धर्मशाला एवं आधारभूत संरचना विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन ।
8. मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत साहू पोखर मंदिर, खुदी राम बोस स्मारक फांसी स्थल, बाबा दुग्धेश्वर नाथ मंदिर, छपरमेघ, बाबा दूधनाथ मंदिर एवं मुसहरी प्रखंड स्थित मनिका मन के आधारभूत संरचना विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन ।
9. मधुबनी जिला अन्तर्गत जयनगर प्रखंड के ग्राम पंचायत मुल्ली पट्टी में एन०एच० 105 के किनारे स्थित शीलानाथ महादेव मंदिर में पर्यटकों की सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन ।
10. मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत गुरूद्वारा साहब, लालगंज का विषय स्क्रीनिंग कमिटी में भेजने संबंधी प्रतिवेदन ।
11. सिवान जिला में सरयु नदी के तट पर पूर्णिमा तथा अमावस्या के दिन आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधा मुहैया कराने के संबंध में प्रतिवेदन ।

अत: अनुरोध है कि उक्त बिन्दुओं पर वांछित विभागीय प्रतिवेदन की 15 प्रतियाँ पत्र प्राप्ति के दस दिनों के अन्दर समिति के अवलोकनार्थ सभा सचिवालय को उपलब्ध कराने की कृपा की जाय ।

विश्वासभाजन,

(हस्ताक्षर) 30.8.23

(विमलेन्दु भूषण कुमार)
उप सचिव, बिहार विधान सभा, पटना ।

(हस्ताक्षर) 30.8.23

परिशिष्ट 5

बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की बैठक से उद्भूत सभा सचिवालय का पत्रांक–978 दिनांक 31.08.2023 द्वारा प्राप्त प्रश्नावली का अनुपालन प्रतिवेदन

क्र०.	प्रश्नावली	उत्तर सामग्री
1	खगड़िया जिला के अगवानी में बन रहे भारत का पहला डॉल्फिन आब्जर्वेटरी के पास गेस्ट हाउस निर्माण के लिए अनुपयुक्त भूमि किन पदाधिकारियों द्वारा अर्जित या चिन्हित की गई थी। इससे संबंधित दोषी पदाधिकारी को चिन्हित कर कार्रवाई करने के संबंध में प्रतिवेदन।	खगड़िया जिला के अगवानी में बन रहे भारत का पहला डॉल्फिन आब्जर्वेटरी के पास गेस्ट हाउस निर्माण करने से संबंधित जिला पदाधिकारी, खगड़िया से प्रतिवेदन की मांग की गयी थी। जिला पदा० के पत्रांक 02 दिनांक 06.01.2023 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि उक्त भूमि जी.एन. बाँध हेतु अर्जित की गई थी, वर्तमान में बाँध के अतिरिक्त शेष खाली भूमि जिसका रकबा– 0–15–0 (0 ए० 65.400 डी०) है, पर गेस्ट हाउस का निर्माण कराया जा सकता है। दिनांक 06.04.2023 को बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के अभियंता, वास्तुविद् एवं अंचलाधिकारी, परबत्ता द्वारा गेस्ट हाउस निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण किया गया। प्रतिवेदित किया गया कि प्रस्तावित भूमि बांध से 15 फीट (लगभग) नीचे है। भूमि पर जाने के लिए बांध से जाया जा सकता है अन्य कोई सड़क नहीं है। यह भूमि गेस्ट हाउस के लिए उपयुक्त प्रतीत नहीं होता है। पर्यटन विभाग के पत्रांक 1326 दिनांक 02.06.2023 द्वारा गेस्ट हाउस निर्माण के लिए पुनः उपयुक्त भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने हेतु जिला पदाधिकारी, खगड़िया से अनुरोध किया गया है। पर्यटन विभाग के पत्रांक 2298 दिनांक 06.10.2023 एवं पत्रांक 2616 दिनांक 29.11.2023 द्वारा समिति के प्रश्न से संबंधित प्रतिवेदन की मांग जिला पदाधिकारी, खगड़िया से की गयी है।
2	खगड़िया जिला के कत्यायनी देवी मंदिर में नागरिक सुविधाओं के लिए एप्रोच रोड, विद्युतिकरण, पेयजल आदि सुविधा उपब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन।	माँ कत्यायनी देवी मंदिर स्थल की भूमि के संबंध में जिला पदाधिकारी, खगड़िया का पत्रांक–20 दिनांक–27.07.2023 द्वारा प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। प्रतिवेदन के अनुसार स्थल पर 6 बिगहा रकबा उपलब्ध है। स्थल का निरीक्षण आर्किटेक्ट के द्वारा किया जा चुका है। वास्तुविद् द्वारा योजना का अंतिम् प्रस्तुतीकरण किया जा चुका है। अनुमोदन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। प्रस्तावित स्थल की भूमि का अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु विभागीय

		पत्रांक–2560 दिनांक 13.11.2023 द्वारा बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद से अनुरोध किया गया है। पर्यटन विभाग द्वारा सड़क बनाने का कार्य नहीं किया जाता है। कृपया इस कंडिका को विलोपित करने की कृपा की जाय।
3	अरवल जिला के जनकपुर धाम तथा मखदुम शाह का दरबार में जनसुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन।	वर्णित स्थल के संबंध में जिला पदाधिकारी, अरवल से विहित प्रपत्र में प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। प्रतिवेदन में दोनो स्थलों पर आने वाले पर्यटकों की संख्या अंकित नहीं है। तद्नुसार विभागीय पत्रांक–2663 दिनांक 30.11.2023 द्वारा जिला पदाधिकारी, अरवल से पर्यटकों की संख्या शीघ्र उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया है।
4	औरंगाबाद जिला के देवकुंड को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद से NOC के संबंध मे।	जिला पदाधिकारी, औरंगाबाद का पत्रांक 83 दिनांक 28.04.2023 द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि देवकुंड (पंचायत हथियारा) की भूमि बिहार धार्मिक न्यास पर्षद के अधीन है। तद्नुसार विभागीय पत्रांक 1743 दिनांक 24.07.2023 द्वारा सचिव, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद से अनापत्ति प्रमाण–पत्र निर्गत करने हेतु अनुरोध किया गया है। सम्प्रति अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त नहीं है। पुनः विभागीय पत्रांक–2299 दिनांक 06.10.2023 एवं पत्रांक 2617 दिनांक 29.11.2023 द्वारा स्मारित किया गया है।
5	मधुबनी जिला अन्तर्गत गिरिजा मंदिर हरलाखी, कलना कलानेश्वर राजा जनक पूजित शिव मंदिर तथा विश्वामित्र स्थान विसौल को अतिक्रमण मुक्त कर सौन्दर्यीकरण करने के विषय पर प्रतिवेदन।	वर्णित स्थल के संबंध मे जिला पदाधिकारी, मधुबनी से विभागीय पत्रांक– 1287 दिनांक 29.05.2023, पत्रांक– 1332 दिनांक 06.06.2023, पत्रांक–1487 दिनांक 22.06.2023, पत्रांक–1569 दिनांक– 06.07.2023, पत्रांक–1723 दिनांक 20.07.2023 एवं पत्रांक–1738 दिनांक 21.07.2023 द्वारा प्रतिवेदन की मांग की गयी है। जिला पदाधिकारी ने अपने पत्रांक 673 दिनांक 04.08.2023 द्वारा उक्त स्थल के संबंध में प्रतिवेदित किया गया है जो निम्न है :– 1. गिरजा मंदिर – हरलाखी अंचल अन्तर्गत मौजा–फुलहर में गिरजा मंदिर के नाम से कोई खतियान नहीं बना हुआ है और न ही अभ्युक्ति कॉलम में गिरिजा मंदिर अंकित है। वर्तमान में गिरिजा मंदिर खाता संख्या– 756 नया, खेसरा–3555 नया में अवस्थित है जो सुंदर गिरी वगैरह के नाम से रैयती खाते की भूमि है। उक्त परिस्थिति में सरकारी योजना

		से मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराना संभव प्रतीत नहीं होता है। 2. कलना कलानेश्वर राजा जनक पूजित शिव मंदिर – हरलाखी अंचल अन्तर्गत मौजा कलना में कलानेश्वर स्थान मंदिर खाता 565 नया, खेसरा 486 नया, रकबा–30डी. किस्म–मंदिर में अवस्थित है जो अनावाद बिहार सरकार की भूमि है। मंदिर के भूमि का वर्तमान में अतिक्रमण नहीं है एवं मंदिर का सौन्दर्यीकरण किया जा सकता है। 3. विश्वामित्र स्थान – हरलाखी अंचल अन्तर्गत मौजा विशौल में विश्वामित्र स्थान खाता–27 नया, खेसरा–5241, रकबा–68डी., किस्म–मंदिर राम जानकी में अवस्थित है जो श्रीरामजानकी जी, विश्वामित्र जी वगैरह के नाम से खाता खुला हुआ है। स्थल पर कोई स्थाई अतिक्रमण प्रतिवेदित नहीं है। सौन्दर्यीकरण कराया जा सकता है। कलना कलानेश्वर राज जनक पूजित शिव मंदिर एवं विश्वामित्र स्थान, विसौल के संबंध में विभागीय पत्रांक 2569 दिनांक 14.11. 2023 एवं पत्रांक 2620 दिनांक 29.11.2023 द्वारा जिला पदाधिकारी, मधुबनी से विहित प्रपत्र में विस्तृत प्रतिवेदन की मांग की गयी है।
6	सिवान जिला अन्तर्गत बाबा हंसनाथ सोहागरा के विकास के लिए स्वीकृत राशि 90 लाख 93 हजार खर्च किये जाने के संबंध में अद्यतन प्रतिवेदन।	पर्यटन विभाग द्वारा सिवान जिलान्तर्गत सोहागरा स्थित सोहागरा शिव मंदिर में पर्यटकीय सुविधाओं के विकास हेतु 90.926 लाख रूपये की योजना वर्ष 2017–18 में स्वीकृत किया गया था। योजना का कार्यान्वयन जिला पदाधिकारी, सिवान द्वारा किया गया है। योजना भौतिक रूप से पूर्ण है। कार्य एजेंसी से प्राप्त प्रतिवेदन संलग्न है।
7	मोकामा के घारडीह के नजदीक वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल स्थल के पास रास्ता, धर्मशाला एवं आधारभूत संरचना विकसित करने के संबंध में प्रतिवेदन।	वर्णित स्थल के संबंध में जिला पदाधिकारी, पटना से विभागीय पत्रांक–1285 दिनांक–29.05.2023, पत्रांक–1334 दिनांक 06.06.2023, पत्रांक–1488 दिनांक 22.06.2023, पत्रांक– 1568 दिनांक– 05. 07.2023, पत्रांक–1722 दिनांक 20.07.2023, पत्रांक–1740 दिनांक 21.07.2023, पत्रांक–2049 दिनांक– 01.09.2023, पत्रांक–2301 दिनांक–06. 10.2023, पत्रांक 2487 दिनांक 01.11.2023 एवं पत्रांक 2621 दिनांक 29.11.2023 द्वारा प्रतिवेदन की मांग की गयी है। प्रतिवेदन अधीतक अप्राप्त है।
8	मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत साहू पोखर मंदिर, खुदी राम बोस स्मारक फांसी स्थल, बाबा दुग्धेश्वर नाथ मंदिर, छपरामेघ, बाबा	इस संबंध में जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर का पत्रांक–612 दिनांक 06.06.23 द्वारा प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्राप्त हुआ है।

	दूधनाथ मंदिर एवं मुशहरी प्रखंड स्थित मनिका मन को आधारभूत संरचना विकसित करने करने के संबंध में प्रतिवेदन।	साहू पोखर मंदिर – विभागीय पत्रांक 2622 दिनांक 29.11.2023 द्वारा उक्त स्थल के संबंध में विहित प्रपत्र में विस्तृत प्रतिवेदन की मांग की गई है। खुदी राम बोस स्मारक फांसी स्थल – विभागीय पत्रांक 2622 दिनांक 29.11.2023 द्वारा उक्त स्थल के संबंध में विहित प्रपत्र में विस्तृत प्रतिवेदन की मांग की गई है। बाबा दूधनाथ मंदिर – विभागीय पत्रांक 2622 दिनांक 29.11.2023 द्वारा उक्त स्थल के संबंध में विहित प्रपत्र में विस्तृत प्रतिवेदन की मांग की गई है। बाबा दुद्धेश्वर नाथ मंदिर– जिला पदाधिकारी द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि मुशहरी अंचल अन्तर्गत मौजा– छपड़ा मेघ अन्तर्गत बाबा बुद्धेश्वर नाथ मंदिर नाम से कोई मंदिर नही है। मुशहरी प्रखंड स्थित मनिका मन – मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मुशहरी प्रखंड स्थित मनिका मन में पर्यटकीय विकास हेतु स्थल भ्रमण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु वास्तुविद् को निदेशित किया गया है। वास्तुविद् द्वारा प्रस्तुतीकरण की गयी है। पर्यटन विभाग के पत्रांक–2202 दिनांक 25.09.2023 जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर से भूमि की विवरणी की मांग की गयी है।
9	मधुबनी जिला अन्तर्गत जयनगर प्रखंड के ग्राम पंचायत गुल्ली पट्टी में एन.एच–105 के किनारे स्थित शीलानाथ महादेव मंदिर में पर्यटकों की सुविधा उपलब्ध कराने के संबंध में प्रतिवेदन।	वर्णित स्थल के संबंध में जिला पदाधिकारी, मधुबनी से विभागीय पत्रांक–1284 दिनांक–29.05.2023, पत्रांक–1336 दिनांक 06.06.2023, पत्रांक–1490 दिनांक 22.06.2023, पत्रांक–1569 दिनांक– 05.07.2023, पत्रांक–1721 दिनांक–20.07.2023, पत्रांक–1741 दिनांक 21.07.2023, पत्रांक–2125 दिनांक 15.09.2023, पत्रांक–2302 दिनांक– 06.10.2023 एवं पत्रांक–2619 दिनांक 29.11.2023 द्वारा प्रतिवेदन की मांग की गयी है। प्रतिवेदन अभीतक अप्राप्त है।
10	मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत गुरूद्वारा साहब, लालगंज का विषय स्क्रीनिंग कमिटी में भेजने संबंधी प्रतिवेदन।	वैशाली जिलान्तर्गत गुरूनानक शाही गुरूद्वारा में पर्यटकीय विकास हेतु वास्तुविद् द्वारा स्थल भ्रमण किया गया है। इस स्थल पर पर्यटकीय विकास हेतु योजना स्वीकृत की गयी है। निविदा की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। कृपया इस कंडिका को विलोपित करने की कृपा की जाय।
11	सिवान जिला में सरयु नदी के तट पर पूर्णिमा तथा अमावस्या के दिन आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधा मुहैया कराने के संबंध में प्रतिवेदन।	पर्यटन विभागीय पत्रांक 2465 दिनांक 01.11.2023 एवं पत्रांक 2618 दिनांक 29.11.2023 द्वारा जिला पदाधिकारी, सिवान से प्रतिवेदन की मांग की गयी है।

समाहरणालय, मुज़फ्फरपुर

ई-मेल–dm-muzaffarpur.bih@nic.in वेबसाइट - muzaffarpur.bih.nic.in दूरभाष/फैक्स– 0621 222010

(पर्यटन कोषांग)

बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की दिनांक 18.09.2024 से 27.09.2024 तक राज्य के अंदर स्थल अध्ययन यात्रा प्रश्नावली

क्र0	प्रश्न	उत्तर	अभ्युक्ति
01	चालू वित्तीय वर्ष सहित विगत तीन वर्षों के आय–व्यय में विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए क्या उपबंध था, पुनरीक्षित उपबंध कितना हुआ तथा वास्तविक व्यय कितना हुआ ?	शून्य	सारी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं अनुरक्षण पर्यटन निदेशालय द्वारा सम्पादित होता है।
02	पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान चालू प्राक्कलन के हरेक शीर्ष एवं उप–शीर्ष के अधीन आवंटित राशि क्या थी और वास्तविक व्यय क्या हुआ ?	शून्य	
03	आय–व्यय के मुख्य शीर्ष एवं लघु शीर्ष में कितनी राशि का वर्षवार विचलन एवं कितना प्रत्यार्पण (सरेंडर) किया गया और इनका औचित्य क्या था ?	शून्य	
04	विभाग में विगत तीन वर्षों से कितनी योजनाएं एवं परियोजनाएं किस उद्देश्य से शुरू की गयी, कब समाप्त करना था, कब पूर्ण हुई तथा उक्त योजनाओं में से कितनी योजनाएं पुनरीक्षित की गयी, उसके कारण क्या थे, योजनावार कुल वास्तविक व्यय क्या हुआ ?	शून्य	
05	विगत तीन वर्षों में आवंटित राशि कब–कब विमुक्त की गयी तथा कब उपयोगिता प्रमाण–पत्र प्राप्त किया गया ?	शून्य	
06	विगत तीन वित्तीय वर्षों में विभाग को कितनी आय हुई और किस–किस मद में कोषागार में जमा किए गए ?	शून्य	
07	विगत तीन वर्षों में केन्द्र सरकार से कितनी राशि वर्षवार अनुदान के रूप में प्राप्त हुई और इसके तहत कितनी योजनाएं ली गयी तथा उनकी अद्यतन स्थिति क्या है ?	शून्य	
08	केन्द्रीय वार्षिक योजनाओं के लिए कितनी राशि मिली, कितनी राशि व्यय की गयी, विगत तीन वर्षों का वर्षवार विवरण दिया जाय ?	शून्य	
09	विगत तीन वर्षों में केन्द्र एवं राज्य सरकार की संयुक्त योजनाओं में केन्द्र सरकार से कब और कितनी राशि मिली एवं राज्य सरकार के द्वारा कब और कितना मैचिंग ग्रांट दिया गया तथा अद्यतन स्थिति क्या है ?	शून्य	
10	विभाग द्वारा अगर किसी शीर्ष में स्थायी रूप से इकाई पर प्रत्येक वर्ष अनुरक्षण कार्य पर खर्च किया जाता है तो उन इकाईयों का नाम एवं व्यय की जाने वाली राशि का इकाईवार ब्यौरा प्रस्तुत किया जाय ?	शून्य	
11	पर्यटन उद्योग का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण हेतु विभाग द्वारा योजना/गैर–योजना मद में विमुक्त राशियों के व्यय पर निगरानी हेतु की गयी स्थायी व्यवस्था की विवरण दें ?	पर्यटन निदेशालय द्वारा	

वरीय उप समाहर्त्ता,
जिला पर्यटन कोषांग,
मुजफ्फरपुर।

ज्ञापांक :– 738 दिनांक 18/09/24

प्रतिलिपि :– सभापति, विधान सभा पर्यटन उद्योग समिति को सादर सूचनार्थ समर्पित।

19/9/24

वरीय उप समाहर्त्ता,
जिला पर्यटन कोषांग,
मुजफ्फरपुर।

सुपौल अनुमंडल कार्यालय सामान्य परिचय

सामान्य परिचय :– सुपौल अनुमंडल का सृजन उपलब्ध अभिलेख के अनुसार सन् 1862 ई0 में हुआ है। पूर्व में सुपौल अनुमंडल भागलपुर जिला अन्तर्गत था। कालांतर में सहरसा जिला के सृजन के पश्चात् सहरसा जिला अन्तर्गत एवं वर्ष 1991 में सुपौल जिला के स्थापना के साथ सुपौल जिला का मुख्यालय अनुमंडल हुआ। सुपौल अनुमंडल जिले का सबसे बड़ा अनुमंडल है। वर्तमान में अनुमंडल अन्तर्गत चार प्रखंड/अंचल, एक नगर परिषद एवं एक नगर पंचायत है। सुपौल अनुमंडल मुख्यालय 27.282644"N अक्षांश एवं 84.599503"E देशांतर पर अवस्थित है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अनुमंडल की कुल जनसंख्या–8,82,038 (आठ लाख बेरासी हजार अड़तीस) है। यहाँ के लोगो का मुख्य पेशा कृषि एवं व्यवसाय हैं। पश्चिम ग्रामीण क्षेत्र कोशी नदी में आने वाले बाढ़ से प्रभावित रहता है।

अनुमंडल की चौहद्दी – उत्तर :– वीरपुर अनुमंडल
दक्षिण :– सहरसा जिला
पूरब :– त्रिवेणीगंज अनुमंडल
पश्चिम :– निर्मली अनुमंडल एवं मधुबनी जिला

➢ प्रखंड–सह–अंचल कार्यालय :–

इस अनुमंडल के अन्तर्गत सन्निहित प्रखंड–सह–अंचल निम्न प्रकार है :–

क्र0	प्रखंड–सह–अंचल का/नगर परिषद/नगर पंचायत का नाम	पंचायत/वार्ड की सं0
01	सुपौल	26
02	नगर परिषद, सुपौल	कुल 28 वार्ड
03	पिपरा	15
04	नगर पंचायत, पिपरा	कुल 11 वार्ड
05	किशनपुर	16
06	सरायगढ़–भपटियाही	12
	कुल	108

- इस चारों प्रखंड–सह–अंचल कार्यालय, नगर निकाय कार्यालय एवं अनुमंडल कार्यालय में आर0टी0पी0एस0 काउन्टर कार्यरत हैं।

➢ अन्य कार्यालय :–

अनुमंडल कार्यालय परिसर में भूमि सुधार उप समाहर्त्ता कार्यालय, अनुमंडल लोक शिकायत निवारण कार्यालय एवं जिला बंदोबस्त कार्यालय कार्यरत हैं।

➢ भवन :–

सुपौल अनुमंडल कार्यालय वर्ष 2014 ई0 से स्वतंत्र रूप से अपने नवनिर्मित भवन में संचालित है। इसके पूर्व अनुमंडल कार्यालय व्यवहार न्यायालय के सामने स्थित भवन में अवस्थित था। इस भवन के पश्चिम दिशा में अनुमंडल पदाधिकारी, सुपौल का सरकारी आवास निर्मित है।

प्रधान सहायक :– श्री सुदीप कुमार वर्मा वर्तमान में पद पर कार्यरत हैं तथा अपने दायित्वों का निर्वाह कर रहे हैं।
निरीक्षण :– यह अनुमंडल अभिलेख अनुसार वर्ष 1862 से कार्यरत है। पंजी संचिका अनुसार वर्ष 1987 से 2012 के दौरान विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का अनुपालन भी ससमय किया गया है।

➢ अनुमंडल न्यायालय

अनुमंडल न्यायालय में दायर एवं निष्पादित मामलों का कार्यान्वयन नियमानुसार किया जा रहा है।

सामान्य विधि व्यवस्था एवं अपराध पर प्रभावी नियंत्रण की समीक्षा, 2024:–

धारा 126, 129, 135 एवं 163 बी0एन0एस0एस0, 2023 के तहत की जा रही कार्यवाही से संबंधित प्रतिवेदनः–

क्र0	धारा 126 अन्तर्गत प्राप्त प्रस्ताव की संख्या	धारा 129 अन्तर्गत प्राप्त प्रस्ताव की संख्या	धारा 135 अन्तर्गत प्राप्त प्रस्ताव की संख्या	धारा 163 अन्तर्गत प्राप्त प्रस्ताव की संख्या	अभ्युक्ति
1	462	0	0	69	

सुपौल अनुमंडल अन्तर्गत विधि–व्यवस्था सामान्य है।

बिहार सरकार
समाहरणालय, सुपौल
प्रभारी पदाधिकारी,
जिला सामान्य शाखा, सुपौल।
सुपौल–852131
(सामान्य शाखा)
E-mail: genspl2018@gmail.con
Website : www.supaul.nic.i

बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग समिति का दिनांक 19.09.2024 एवं 20.09.2024 को सुपौल जिलान्तर्गत स्थल अध्ययन यात्रा से संबंधित प्रतिवेदन।

क्र0	पर्यटन स्थल का नाम	स्थान
1	माँ वन दुर्गा मंदिर लोरिक धाम	हरदी चौधारा अंचल–सुपौल।
2	बाबा तिल्हेश्वर धाम महादेव	सुखपुर अंचल–सुपौल।

प्रभारी पदाधिकारी
जिला सामान्य शाखा,
सुपौल।

बिहार सरकार
समाहरणालय, सुपौल
सुपौल–852131
(सामान्य शाखा)

बिहार सरकार
प्रभारी पदाधिकारी,
जिला सामान्य शाखा, सुपौल।

E-mail:
genspl2018@gmail.com
Website :
www.supaul.nic.in

सरकार के अवर सचिव, बिहार विधान सभा, पटना के पत्रांक–442, दिनांक–04.09.2024 द्वारा बिहार विधान सभा की पर्यटन उघोग संबंधित समिति का दिनांक 19.09.2024 एवं 20.09.2024 को सुपौल जिलान्तर्गत स्थल अध्ययन यात्रा से संबंधित आय–व्यय प्रतिवेदन।

1. पर्यटन स्थल का नाम– माँ वन दुर्गा मंदिर लोरिक धाम महोत्सव, हरदी–चौधारा, सुपौल।

क्र0	वित्तीय वर्ष	प्राप्त आवंटन	व्यय की गई राशि	अवशेष राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	2021.–2022	450000.00	449990.00	10.00	
2	2022–2023	450000.00	449960.00	40.00	
3	2023–2024	500000.00	499986.00	14.00	

1. पर्यटन स्थल का नाम– बाबा तिल्हेश्वर धाम महादेव महोत्सव, सुखपुर, सुपौल।

क्र0	वित्तीय वर्ष	प्राप्त आवंटन	व्यय की गई राशि	अवशेष राशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	2023–2024	200000.00	199806.00	194.00	

प्रभारी पदाधिकारी
जिला सामान्य शाखा,
सुपौल।

समाहरणालय, पूर्णिया

(जिला सामान्य शाखा)

दूरभाष सं0-06454-242503 फैक्स सं0-06454-242505 ई0मेल-gensec.purnea@gmail.com

पत्रांक- 1931 /सा0, पूर्णिया, दिनांक- 21 सितम्बर, 2024

प्रेषक,

जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी,
पूर्णिया

सेवा में,

जिला योजना पदाधिकारी,
पूर्णिया

विषय :- बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति को प्रतिवेदन देने के संबंध में।

प्रसंग :- उप सचिव, बिहार विधान सभा, पटना के ज्ञापांक-442, दिनांक-04.09.2024

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र आलोक में कहना है कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार द्वारा पूर्णिया जिलान्तर्गत विभिन्न प्रकार के संस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए आवंटन प्राप्त हुआ है, जिससे की पूर्णिया जिला में कला एवं संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।

उक्त के आलोक में प्रतिवेदन स्वीकार करने की कृपा की जाय।

अनुलग्नक :- यथोक्त।

विश्वासभाजन

Pankaj Kumar Patel
21/9/2024

जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी
पूर्णिया

कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार से प्राप्त आवंटित राशि निम्नवत् है :-

क्र0सं0	वर्ष	पत्रांक, दिनांक	मद का नाम	प्राप्त राशि	कुल राशि
1	2	3	4	5	6
1	2024	249/23.07.2024	श्रावणी मेला	350000.00	350000.00
2	2024-25	279/02.08.2024	सरहुल महोत्सव	1000000.00	1000000.00
3	2024-25	277/02.08.2024	शितला महोत्सव	700000.00.	700000.00
4	2024-25	278/02.08.2024	राजा शहलेष महोत्सव एवं विहुला विषहरी उत्सव	1000000.00	1000000.00
5	2024-25	309/09.08.2024	हर घर तिरंगा	100000.00	100000.00
6	2024-25	367/06.09.2024	युवा महोत्सव	300000.00	300000.00
			कुल :-	3450000.00	3450000.00

(मो0 चौंतीस लाख पचास हजार रुपये मात्र)

जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी,
पूर्णिया।

बिहार विधानसभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति से संबंधित प्रतिवेदन :-

क्र0	स्थल का नाम	की गयी कार्रवाई	अभ्युक्ति
1	2	3	4
1	माँ कामाख्या मंदिर; मजरा-पंचायत, अंचल-के0नगर	माँ कामाख्या मंदिर में प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली माँ कामाख्या महोत्सव को राजकीय मेला का दर्जा प्रदान करने के संबंध में अंचल अधिकारी, के0नगर को अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, पूर्णिया के माध्यम से प्रस्ताव मंतव्य के साथ उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया है।	कार्यालय पत्रांक 5221/रा0 दिनांक 12.09.2024 के द्वारा अंचल अधिकारी, के0नगर से प्रस्ताव मंतव्य सहित की मांग की गयी है।
2	धीमेश्वर महादेव स्थान मंदिर, प्रखंड-बनमनखी	धीमेश्वर स्थान मंदिर श्रावणी मेला को मेला प्राधिकार में सम्मिलित करने हेतु विहित प्रपत्र में प्रतिवेदन की मांग अंचल अधिकारी, बनमनखी से की गयी है।	कार्यालय पत्रांक 4731/रा0 दिनांक 14.08.2024 के द्वारा विहित प्रपत्र में प्रतिवेदन की मांग अंचल अधिकारी, बनमनखी से की गयी है।

ज्ञापांक ..5486....../रा0 दिनांक 20 सितम्बर, 2024

प्रतिलिपि :- जिला योजना पदाधिकारी, पूर्णिया को जिला पदाधिकारी, पूर्णिया के ज्ञापांक 2460/सी0 दिनांक 17.09.2024 के आलोक में सूचनार्थ एवं आवश्यक आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

प्रभारी पदाधिकारी,
जिला राजस्व शाखा,
पूर्णिया।

कुन्दन कुमार, भा०प्र०से०
जिला दण्डाधिकारी एवं समाहर्त्ता
पूर्णिया (बिहार)

Tel 06454-242501/242522
Fax 06454-242599
Email dm-purnea.bih@nic.in

दूरभाष 06454-242501/242503/242522 फैक्स 06454-242599/242505 ईमेल dm-purnea.bih@nic.in

आदेश

उप सचिव, बिहार विधान सभा, पटना के ज्ञापांक 442, दिनांक-04.09.2024 द्वारा सूचित किया गया है कि **बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति दिनांक-21.09.2024** को 03:00 बजे अपराह्न में जिला अतिथि गृह, सहरसा से सड़क मार्ग द्वारा जिला अतिथि गृह, पूर्णिया के लिए प्रस्थान करेंगे। 04:30 बजे अपराह्न में जिला अतिथि गृह, पूर्णिया पहुँचेंगे। 05:00 बजे अपराह्न में जिला अतिथि गृह, पूर्णिया में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक एवं स्थल अध्ययन करेंगे। तत्पश्चात् जिला अतिथि गृह, पूर्णिया में रात्रि विश्राम करेंगे। दिनांक-22.09.2024 को 09:00 बजे पूर्वाह्न में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक एवं स्थल अध्ययन करेंगे। 03:00 बजे अपराह्न में जिला अतिथि गृह, पूर्णिया से सड़क मार्ग द्वारा जिला अतिथि गृह, मधेपुरा के लिए प्रस्थान करेंगे।

बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति के पूर्णिया आगमन से प्रस्थान तक श्री राज कुमार गुप्ता, अपर समाहर्त्ता, विधि-व्यवस्था, पूर्णिया (मो0-9113128757) को लायजन-सह-प्रोटोकॉल पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है। साथ ही उन्हें निदेश दिया जाता है कि वे पूर्णिया जिला की सीमा पर उपस्थित होकर बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की अगुवानी एवं सौजन्यता प्रकट करना सुनिश्चित करेंगे।

जिला स्तर पर उक्त कार्यक्रम का अनुश्रवण एवं बैठक की सारी व्यवस्था की तैयारी हेतु श्री राकेश कुमार, जिला योजना पदाधिकारी, पूर्णिया (मो0-7763804343) को नामित किया जाता है। उन्हें निदेश दिया जाता है कि संबंधित विभागों से प्रतिवेदन दिनांक-20.09.2024 तक प्राप्त कर उसे संकलित कर लेंगे एवं बैठक की तिथि को समिति को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही बैठक के आयोजन की सूचना सभी संबंधित को अपने स्तर से भी उपलब्ध करायेंगे।

सभी संबंधित पदाधिकारियों को निदेश दिया जाता है कि बिहार विधान सभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति के आगमन के अवसर पर तत्संबंधी प्रतिवेदन दिनांक-20.09.2024 तक श्री राकेश कुमार, जिला योजना पदाधिकारी, पूर्णिया को उपलब्ध कराते हुए प्रतिवेदन के साथ दिनांक-21.09.2024 एवं 22.09.2024 को आयोजित बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे।

प्रभारी पदाधिकारी, जिला नजारत शाखा, पूर्णिया को निदेश दिया जाता है कि समिति के माननीय सभापति महोदय सहित कुल 08 (आठ) माननीय सदस्य तथा समिति के सहयोगार्थ सभा सचिवालय के 04 (चार) पदाधिकारी/कर्मचारी के आवासन की व्यवस्था करना सुनिश्चित करेंगे।

सुलभ प्रसंग हेतु प्रासंगिक पत्र की प्रति अनुलग्नक सहित संलग्न की जा रही है।

अनुलग्नक :- यथोक्त।

ह0/-
जिला पदाधिकारी
पूर्णिया

समाहरणालय, सहरसा

(जिला सामान्य शाखा)

मुख्य सचिव, बिहार सरकार के द्वारा दिनांक 17.09.2024 को पर्यटन विभाग से संबंधित आयोजित होने वाले विडियोकॉन्फ्रेन्सिंग हेतु सहरसा जिले से संबंधित महत्वपुर्ण तथ्य इस प्रकार है :-

सरकार के अपर सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार पटना को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु कुल आठ (08) पर्यटन स्थल की सूची विहित प्रपत्र में नजरी-नक्शा के साथ कार्यालय पत्रांक 58/सा0 दिनांक 31.01.2016, पत्रांक 536/सा0 दिनांक 09.05.2017 एवं पत्रांक 2357/सा0 दिनांक 10.11.2022 से भेजा गया है, जो निम्न प्रकार है:-

क्र0	महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का नाम
01	श्री उग्रतारा स्थान, महिषी, सहरसा
02	सूर्य मंदिर, भड़वार, कन्दाहा, महिषी सहरसा
03	मटेश्वर धाम मंदिर, कांठो, बलवाहाट, सिमरी बख्तियारपुर, सहरसा
04	दिवारी स्थान, दिवारी, कहरा सहरसा
05	माँ कात्यायनी स्थान, महारस, बनमा ईटहरी, सहरसा
06	कारू स्थान, महपुरा, महिषी, सहरसा
07	संत लक्ष्मीनाथ गोसाई मंदिर, बनगाँव, सहरसा
08	मंडनधाम मिश्र मंदिर, महिषी, सहरसा

पर्यटन विभाग, बिहार पटना से आयोजित होने वाले सहरसा जिले के विभिन्न महोत्सव की सूची (संभावित माह एवं तिथि के साथ) :-

क्र0	उत्सव/महोत्सव का नाम	संभावित माह एवं तिथि जिसमें आयोजित की जाती है	अभ्युक्ति
01	कोशी महोत्सव	फरवरी/मार्च	
02	उग्रतारा महोत्सव	अक्टूबर (दशहरा के अवसर पर)	

प्रभारी पदाधिकारी
जिला सामान्य शाखा, सहरसा।

समाहरणालय, सहरसा

(जिला सामान्य शाखा)

पत्रांक 2468 /सा०,

प्रेषक,

आनंद शर्मा भा०प्र०से०
जिलाधिकारी, सहरसा।

सेवा में,

सरकार के अपर सचिव,
पर्यटन विभाग, बिहार, पटना।

सहरसा, दिनांक 23 नवम्बर 2022

विषयः– जिले में पर्यटन क्षेत्र में असीम संभावनाओं के कार्यान्वयन हेतु प्राथमिकता अनुसार पर्यटन स्थलों की सूची उपलब्ध कराने के संबंध में।

प्रसंगः– भवदीय पत्रांक–2494 दिनांक–21.11.2022

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासांगिक पत्र के आलोक में कहना है कि इस कार्यालय के पत्रांक–58 दिनांक–31.01.2016, पत्रांक–536 दिनांक–09.05.2017 एवं पत्रांक–2357 दिनांक–10.11.2022 के द्वारा पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु कुल 08 पर्यटन स्थलों की सूची विहित प्रपत्र में नजरी नक्शा के साथ पर्यटन विभाग, बिहार, पटना को उपलब्ध कराई गयी है, सुलभ प्रसंग हेतु छायाप्रति संलग्न।

अतः पर्यटन विभाग, बिहार, पटना को पूर्व में उपलब्ध कराए गए विहित प्रपत्र में प्रतिवेदन की छायाप्रति के साथ दिनांक–25.11.2022 को पूर्वाह्न 11:00 बजे पर्यटन विभाग के सभागार, मुख्य सचिवालय, बिहार, पटना में आहूत बैठक में भाग लेने हेतु श्री दिलीप कुमार ध्वज, वरीय उप–समाहर्त्ता, सहरसा को प्राधिकृत किया जाता है।

अनुलग्नक–यथोक्त।

विश्वासभाजन

प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा, सहरसा।	अपर समाहर्त्ता, सहरसा।	जिलाधिकारी, सहरसा।

समाहरणालय, सहरसा।
(सामान्य शाखा)

पत्रांक– 536 / सा0

प्रेषक,

जिला पदाधिकारी,
सहरसा

सेवा में,

प्रधान सचिव
पर्यटन विभाग,
बिहार, पटना।

सहरसा, दिनांक 9 मई, 2017

विषय – पर्यटन रोड मैप तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का विहित प्रपत्र में सूचना का प्रेषण।

प्रसंग – भवदीय अर्द्धसरकारी पत्रांक 457/गो0 दिनांक 06.07.2016.

महाशय,

उपर्युक्त विषयक एवं प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में कहना है कि पर्यटन रोड मैप बनाने हेतु महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का विहित प्रपत्र में सूचना की मांग की गयी थी। पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु पर्यटन स्थलों के संबंध में विहित प्रपत्र में माँ कत्यायनी स्थान मंदिर, महारस का सूचना संकलित कर प्रतिवेदन पत्र के साथ संलग्न कर अनुशंसा के साथ आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी जाती है। ज्ञातव्य हो कि पूर्व में इस कार्यालय के पत्रांक 58 सपत्र दिनांक 31.01.2016 द्वारा कुल 07 (सात) पर्यटन स्थलों के संबंध में विहित प्रपत्र भेजी जा चुकी है।

अतः अनुरोध है कि वांछित सूचना की पावती स्वीकार करने की कृपा की जाय।

अनुलग्नक– माँ कत्यायनी स्थान मंदिर, महारस,
सहरसा से संबंधित विहित प्रपत्र।

विश्वासभाजन

जिला पदाधिकारी,
सहरसा।

अपर समाहर्ता,
सहरसा।

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा।

समाहरणालय, सहरसा

(सामान्य शाखा)

पत्रांक— 58 / सा0

प्रेषक,

जिला पदाधिकारी,
सहरसा

सेवा में,

प्रधान सचिव
पर्यटन विभाग,
बिहार, पटना।

सहरसा, दिनांक 31 जनवरी, 2016.

विषय :— पर्यटन रोड मैप तैयार करने हेतु महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का विहित प्रपत्र में सूचना का प्रेषण।

प्रसंग :— भवदीय अर्द्धसरकारी पत्रांक 457 / गो0 दिनांक 06.07.2016.

महाशय,

उपर्युक्त विषयक एवं प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में कहना है कि पर्यटन रोड मैप बनाने हेतु महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों का विहित प्रपत्र में सूचना की मांग की गयी थी। पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने हेतु पर्यटन स्थलों के संबंध में विहित प्रपत्र में सूचना संकलित कर प्रतिवेदन पत्र के साथ संलग्न कर अनुसंशा के साथ आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी जाती है।

अतः अनुरोध है किं वांछित सूचना की पावती स्वीकार करने की कृपा की जाय।

अनुलग्नक—

1. श्री उग्रतारा स्थान महिषी, महिषी, सहरसा
2. दिवारी स्थान, (दिवारी) कहरा, सहरसा
3. मटेश्वर धाम मंदिर, कांठों बलवा हाट, सिमरी बख्तियारपुर, सहरसा
4. संत लक्ष्मीनाथ गोसाई मंदिर, बनगॉव, सहरसा
5. सूर्य मंदिर भड़वार, कन्दाहा (महिषी), सहरसा
6. मंडन धाम मिश्र मंदिर, महिषी, सहरसा
7. कारू स्थान, महपुरा, महिषी, सहरसा

विश्वासभाजन

जिला पदाधिकारी,
सहरसा।

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (**Status**) प्रतिवेदन

क्रम	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
			श्री उग्रतारा स्थान महिषी		
		जिला			सहरसा
		प्रखंड			महिषी
		पंचायत/			महिषी
		दूरी			20 किलोमीटर
			चौहदी	उ0	संस्कृत उ0वि0 महिषी
				द0	भारती मंडन वेद विद्या स्कूल महिषी
				पू0	निज फनी मिश्र
				प0	मुशो झा, टनटन झा
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 86'54" NORTH
				देशान्तर (Longitud	86° 47'20" EAST
				छायाचित्र (Photograph	
	राजस्व थाना संख्या	105			
	खाता	वर्णित खाता खेसरा व रकबा एवं चौहद्दी सहित भूमि का विवरणी अलग से संलग्न।			
2	खेसरा				
	रकबा (एकड़ में)				
				विभागीय (Departmental)	
			भूमि का उपयोग Existing Land Use	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records	
				भूमि के उपयोग के बदलाव Changed Land Use	
3	पर्यटकीय सम्भावना।	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक / धरोहर / पुरातत्व / धार्मिक / पर्यावरणीय / ग्रामीण / अन्य		
			पर्यटन के दृष्टिकोण से मंडन धाम का ऐतिहासिक, पुरातत्व, धार्मिक महत्व है। स्थानीय ग्रामीण श्रद्धालुओं का पर्व त्योहार के अवसर पर पूजा पाठ करने हेतु अधिक भीड़ रहती है।		
				स्थानीय / अन्तर राजीय / अन्य राज्यीय	

		प्रकार	घरेलु	स्थानीय/ ग्रामीण/ श्रद्धालुओं का पर्व त्योहार के अवसर पर पूजा पाठ करने हेतु अधिक भीड़ रहती है। अन्तर राज्यीय पर्यटक भी आते रहते हैं।				
			अन्तर्राष्ट्रीय	एशिया/द0पू0एशिया/अन्य				
				नगण्य				
		प्रत्यायी न्यायी Frequency		Regular/Intermitteat/Ocassion				
			पदार्पण	पूर्व वर्ष		प्रस्तावित		
			प्रतिदिन	88		165–200		
			प्रतिमाह	2640		50000–60000		
			वार्षिक	31000–32000		5 लाख –6 लाख		
		प्रत्यायी न्यायी Frequency		राजस्व प्राप्ति Revenue Generating				
			पदार्पण	पूर्व वर्ष		प्रस्तावित		
			प्रतिदिन	शून्य				
			प्रतिमाह	शून्य				
			वार्षिक	शून्य				
				गैर राजस्व प्राप्ति				
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी	20 कि0मी0				
		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम/पक्का/सोलिंग/कच्चा /सभी				
				सभी मौसम पक्की सड़क				
			निकट रोड की दूरी	राष्ट्रीय हाइवे/रा0 हाईवे/जि0प्र0मार्ग/अन्य जि0 मार्ग				
				एन.एच. 107 हाइवे–105 कि0मी0, एन.एच 106 से 5 कि0मी0				
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन/हाल्ट/महत्वपूर्ण रेलवे ज0 से दूरी				
				निकटवर्ती रेवले स्टेशन–सहरसा ज0 से 20 कि0मी0				
			हवाई यात्रा	पटना से गया की दूरी 290 कि0मी0				
		सीट	होटल/लॉज/डारमेटरी/धर्मशाला/पेईंग गेस्ट/अन्य					
			डारमेटरी/धर्मशाला				उपलब्ध	
		आहार गृह	भोजनालय/ढाबा/अन्य				कैंफेटीन	
		नागरिक सुविधाऐं	शौच/प्रसाधन/स्नान गृह/परिधान गृह				सभी उपलब्ध	
		पेय जल	सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य				सभी उपलब्ध	
			सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य				उपलब्ध	
5		मार्गीय सुविधा दूरी सहित	पूर्णिया से सहरसा की दूरी पर्यटन स्थल सहित लगभग 200 कि0मी0	–	–	–	–	

		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड	पहचान सूचक मार्गों के पास बोर्ड लगे हुए हैं।	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ		
		विद्युतीकरण	निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता						
			विद्युतीकरण सेवा उपलब्ध					जनरेटर सेट अनुपलब्ध	
		उदबोधन							
		मनोरंजन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य					उपलब्ध	
			02 सिनेमा हॉल उपलब्ध						
		सार्वजनिक परिवहन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य					उपलब्ध	
			रेल, बस, ओटो रिक्शा उपलब्ध					उपलब्ध	
		पड़ाव							
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम	तारा स्थान महिषी का विकास एवं सौंदर्यीकरण					
			योजना पूर्ण होने का वर्ष	2008–09	प्राक्कलित राशि–3780000.00				
			कुल व्यय	3530000.00					
			सृजित संरचना का नाम	तारा स्थान महिषी में पर्यटन सुविधा केन्द्र, मंदिर परिसर में प्रकाश का व्यवस्था					नहीं
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा/संतोषजनक/असंतोषजनक					
				संतोषजनक					
7	गुणागुण व फासला								
	पर्यटन			विवाद रहित भूमि की आवश्यकता–वि0/क0/थूर अथवा ए/ड					

8	हेतु प्रस्तावित आधारभूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की उपलब्धता–गरमजरूआ/आम/खास/मालिक विभागीय रैयती/ महामहिम राज्यपाल को हस्तातंरण की अद्यतन स्थिति					
				कुल अनुमानित खर्च					
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो)								
10	अनुशंसा	मंडनधाम का पर्यटन के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक/धार्मिक/पर्यावरणीय अधिक महत्त्व हैं स्थानीय ग्रामीण श्रद्धलूओं का पर्व त्यौहार के अवसर पर पूजा अर्चना करने के लिए अत्यधिक भीड़ रहता है। उपर्युक्त तथ्यों एवं भौगोलिक स्थिति को देखते हुए शहर के सौन्दर्यीकरण हेतु एक पर्यटक स्थल के रूप मंडन मिश्रधाम का विकास अत्यंत ही आवश्यक है।							

अंचलाधिकारी,
महिषी

प्रखंड विकास पदाधिकारी
महिषी

अनुमंडल पदाधिकारी
सदर सहरसा

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा

जिलाधिकारी
सहरसा

श्री उग्रतारा स्थान महिषी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने से संबंधित संभावित पर्यटकीय स्थल की स्थिति से संबंधित भूमि का विवरणी

क्रमांक	स्मारक / पुरातत्व स्थल का नाम	अवशेष	खाता	खेसरा	रकवा		चौहदी	जमीन की किस्म	ग्राम	मौजा	प्रखंड	थाना	थाना नम्बर	जिला	अभ्युक्ति
					ए.	डि.									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
1	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1996	16318 16321 16569	0 0 0	80 89 90	उ0–नीज द0–नीज पु0–खेसरा 16329 प0–चादर	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी सेवायत पुलकित झा वो जगदीश झा पिता–राजवंशी झा
2	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1997	8225	0	16	उ0–8228 द0–रास्ता पु0–8224 प0–8226	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी सेवायत पुलकित झा वो जगदीश झा पिता–राजवंशी झा
3	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8084	0	47	उ0–रास्ता द0–8083 पु0–8080 प0–नीज	भीठ–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी सेवायत योगेन्द झा वो भोगेन्द झा
4	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8085	0	21	उ0–रास्ता द0–नीज पु0–नीज प0–नीज	सहन	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	अनन्द झा 3 अंश वो ताराकान्त झा पिता–दामोदार झा वो कामेश्वर झा वो धनेश्वर झा वो चन्देश्वर झा पिता–गुलेश्वर झा 3 अंश को पुलकित झा वो जगदीश झा पिता–राजवंशी झा
5	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8086	0	01	उ0–नीज द0–नीज पु0–नीज प0–नीज	माँ उग्रतारा देवी का स्थान	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	अनन्द झा 3 अंश के ताराकान्त झा [illegible]

क्रमांक	रङ / पुरातत्व स्थल का नाम	अवशेष	खाता	खेसरा	रकवा		चौहद्दी	जमीन की किस्म	ग्राम	मौजा	प्रखंड	थाना	थाना नम्बर	जिला	अभ्युक्ति
					ए.	डि.									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
6	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8087	0	39	उ0–नीज द0–नीज पु0–नीज प0–नीज	मंदिर उग्रतारा देवी	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	पिता–दामोदर झा व कामेश्वर झा वो बनेश्वर झा वो चन्देश्वर झा पिता–गुलेश्वर झा 3 अंश को पुलकित झा वो जगदीश झा पिता–राजवंशी झा
7	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8096	0	04	उ0–8092 द0–17885 पु0–8091 प0–1997	भीठ–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	
8	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8057	0	50	उ0–नीज द0–नीज पु0–7930 प0–1990	भीठ–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह
9	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8196	0	18	उ0–8197 द0–रास्ता पु0–8167 प0–8224	पुरानी परती काबिल आबाद	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह
0	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8216	0	19	उ0–8215 द0–8217 पु0–8200 प0–8214	पुरानी परती काबिल आबाद	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह
1	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8217	0	07	उ0–नीज द0–नीज पु0–8190 प0–नीज	पुरानी परती काबिल आबाद	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह
1	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8218	0	09	उ0–नीज द0–8219 पु0–नीज प0–नीज	पुरानी परती काबिल आबाद	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह

क्रमांक	ग्रुप / पुरातत्व स्थल का नाम	अवशेष	खाता	खेसरा	रकबा		चौहदी	जमीन की किस्म	ग्राम	मौजा	प्रखंड	थाना	थाना नम्बर	जिला	अभ्युक्ति
					ए.	डि.									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
13	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8221	0	02	उ०–8220 द०–8222 पु०–8199 प०–नीज	परती	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह
14	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8229	0	41	उ०–नीज द०–8227 पु०–नीज प०–8231	पोखर	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह
15	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8233	0	26	उ०–8234 द०–नीज पु०–नीज प०–8232	भीठ–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी संवायत योगेन्द्र झा वगैरह
16	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8239	0	09	उ०–8241 द०–8237 पु०–8242 प०–6241	भीठ–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	
7	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8240	0	10	उ०–8242 द०–8236 पु०–नीज प०–नीज	भीठ–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	
8	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8241	0	10	उ०–8242 द०–8236 पु०–नीज प०–रास्ता	भीठ–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	
9	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8054	0	70	उ०–पोखर द०–17996 पु०–8083 प०–8053 एवं 8089	भीण्डा	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	

क्रमांक	प्रखंड / पुरातत्व स्थल का नाम	अवशेष	खाता	खेसरा	रकबा		चौहद्दी	जमीन की किस्म	ग्राम	मौजा	प्रखंड	थाना	थाना नम्बर	जिला	अभ्युक्ति
					ए.	डि.									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
20	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8055	0	30	उ0–नीज द0–मंडन ग्राम पु0–17990 प0–नीज	भीण्डा	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	
21	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1998	8056	0	74	उ0–नीज द0–नीज पु0–नीज प0–नीज	पोखर	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	
22	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1989	7802	1	10	उ0–7803 द0–7764 पु0–7761 प0–7800 एवं 7801	जंगल	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री भगवती तारा स्थान महिषी सेवायत पुलकित झा वो जगदीश झा पिता–राजकंशी झा उमेश वो ताराकान्त झा वो भोगेन्द्र झा पिता–अनंत झा 3 अंश वो कमलेश्वर झा वो चन्द्रेश्वर झा पिता–गुजेश्वर झा 3 अंश
23	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1999	8090	0	86	उ0–रास्ता द0–8089 पु0–नीज प0–नीज	भीण्डा	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	
24	माँ तारा देवी स्थान महिषी		2605	16319	0	96	उ0–नीज द0–नीज पु0–16311 प0–नीज	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी
25	माँ तारा देवी स्थान महिषी		2605	16552	0	51	उ0–नीज द0–नीज पु0–16542 प0–नीज	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी
26	माँ तारा देवी स्थान महिषी		2606	16549	0	59	उ0– द0–नीज पु0–16547 प0–नीज	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी

मांक	ारक / पुरातत्व स्थल का नाम	अवशेष	खाता	खेसरा	रकवा		चौहद्दी	जमीन की किस्म	ग्राम	मौजा	प्रखंड	थाना	थाना नम्बर	जिला	अभ्युक्ति
					ए.	डि.									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
27	माँ तारा देवी स्थान महिषी		2662	15663	0	24	उ0—15671 द0—गिलान चादर पु0—15664 प0—15662	धनहर—2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री श्री 108 महारानी उग्रतारा सेवायत भोलीकान्त झा वो योगेन्द्र झा पिता—अनन्त झा सा0—महिषी
28	माँ तारा देवी स्थान महिषी		2663	16551	1	55	उ0—नीज द0—नीज पु0—नीज प0—नीज	धनहर—2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री श्री 108 महारानी उग्रतारा सेवायत भोलीकान्त झा वो योगेन्द्र झा पिता—अनन्त झा सा0—महिषी
9	माँ तारा देवी स्थान महिषी		2663	16563	0	10	उ0—नीज द0—रास्ता पु0—16554 प0—रास्ता	धनहर—2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री श्री 108 महारानी उग्रतारा सेवायत भोलीकान्त झा वो योगेन्द्र झा पिता—अनन्त झा सा0—महिषी
0	माँ तारा देवी स्थान महिषी		2663	16315	0	15	उ0—नीज द0—17005 पु0—नीज प0—16316	धनहर—2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री श्री 108 महारानी उग्रतारा सेवायत, भोलीकान्त झा वो योगेन्द्र झा पिता—अनन्त झा सा0—महिषी
1	माँ तारा देवी स्थान महिषी		3919	8226	0	06	उ0—नीज द0—रास्ता पु0—नीज प0—रास्ता	धर्मशाला	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री श्री 108 उग्रतारा भगवती सेवायत सूर्यनारायण झा पिता—बच्चा झा सा0—महिषी
[illegible]	माँ तारा देवी स्थान महिषी		3919	8227	0	17	उ0—नीज द0—नीज पु0—नीज प0—रास्ता	अस्पताल	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री श्री 108 उग्रतारा भगवती सेवायत सूर्यनारायण झा पिता—बच्चा झा सा0—महिषी

क्रमांक	स्मारक / पुरातत्व स्थल का नाम	अवशेष	खाता	खेसरा	रकबा		चौहद्दी	जमीन की किस्म	ग्राम	मौजा	प्रखंड	थाना	थाना नम्बर	जिला	अभ्युक्ति
					ए.	डि.									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
33	माँ तारा देवी [illegible]		3919	8238	0	09	उ0–नीज द0–नीज पु0–[illegible] प0–नीज	[illegible]	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री श्री 108 उग्रतारा भगवती सेवायत सूर्यनारायण झा पिता–कष्णा झा सा0–महिषी
34	माँ तारा देवी स्थान महिषी		388	16314	0	86	उ0–नीज द0–17006 पु0–17007 प0–नीज	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी सेवायत कामेश्वर झा वो धनेश्वर झा पिता–गुजेश्वर झा सा0–महिषी
35	माँ तारा देवी स्थान महिषी		388	16322	0	98	उ0–नीज द0–नीज पु0–नीज प0–16323	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी सेवायत कामेश्वर झा वो धनेश्वर झा पिता–गुजेश्वर झा सा0–महिषी
6	माँ तारा देवी स्थान महिषी		388	16073	0	32	उ0–नीज द0–16574 पु0–रास्ता प0–नीज	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी सेवायत कामेश्वर झा वो धनेश्वर झा पिता–गुजेश्वर झा सा0–महिषी
7	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1251	16317	0	77	उ0–नीज द0–16316 पु0–नीज प0–16997	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी सेवायत ताराकान्त झा पिता–दामोदर झा सा–महिषी
1	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1251	16320	0	85	उ0–16309 द0–नीज पु0–1631 प0–नीज	धनहर–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी सेवायत ताराकान्त झा पिता–दामोदर झा सा–महिषी

क्रमांक	स्मारक / पुरातत्व स्थल का नाम	अवशेष	खाता	खेसरा	रकबा		चौहद्दी	जमीन की किस्म	ग्राम	मौजा	प्रखंड	थाना	थाना नम्बर	जिला	अभ्युक्ति
					ए.	डि.									
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
39	माँ तारा देवी [illegible]		[illegible]	[illegible]	[illegible]	51	उ0– द0–[illegible]571 पू0–[illegible] प0–[illegible]	[illegible]	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा देवी स्थान महिषी सेवायत तारकान्त झा पिता–दामोदर झा सा–महिषी
40	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1252	15630	2	77	उ0–15654 द0–निजाम चादर पू0–15662 प0–15647	परती–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री उग्रतारा महारानी सेवायत तारकान्त झा पिता–दामोदर झा 3 अंश वो मसोमात पसती देवी पति–तृप्ति झा
41	माँ तारा देवी स्थान महिषी		1252	15665	0	09	उ0–15671 द0–15666 पू0–15663 प0–15664	परती–2	महिषी	महिषी	महिषी	महिषी	105	सहरसा	श्री पुलकित झा वो सनार्दन झा पिता–राजवंशी झा सा0–महिषी

अंचलाधिकारी,
महिषी

प्रखंड विकास पदाधिकारी
महिषी

अनुमंडल पदाधिकारी
सदर सहरसा

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा
1-12-16

जिलाधिकारी
सहरसा

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (**Status**) प्रतिवेदन

क्रम	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति			
1	2	3	4	5	6			
1		स्थान	दिवारी स्थान					
		जिला	6 कि०मी०					
		प्रखंड	कहरा					
		पंचायत/ ग्राम						
		दूरी	6 कि०मी०					
2			चौहद्दी	उ०–पोखर एवं सड़क				
				द०–धर्मशाला				
				पू०–परमिनियां सीमान				
				प०–विद्यालय				
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 79'01" NORTH			
				देशान्तर (Longitude)	86° 52'24" EAST			
				छायाचित्र (Photograph	संलग्न			
			भूमि अधिग्रहण (Land Records)	विभागीय (Departmental)				
					रैयती			
					रा० थाना सं	203		
					खाता	83		
					खेसरा	676, 705, 706		
					रकवा (एकड़ में)	2.288 एकड़		
					कुल रकवा (एकड़ में)			
			भूमि का उपयोग Existing Land Use	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records				
				भूमि के उपयोग के बदलाव Changed Land Use	परती			

3	पर्यटकीय सम्भावना	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक/धरोहर/पुरातत्व/धार्मिक/पर्यावरणीय/ग्रामीण/अन्य			
			धार्मिक स्थल			
3		प्रकार	घरेलु	स्थानीय/अन्तर राजीय/अन्य राज्यीय		
				स्थानीय		
			अन्तर्राष्ट्रीय	एशिया/द0पू0एशिया/अन्य		
3		प्रत्यायी न्यायी Frequency	Regular/Intermittent/Ocassion			
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित	
			प्रतिदिन	2013	500	
			प्रतिमाह	2014	15000	
			वार्षिक	2015	180000	
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	राजस्व प्राप्ति Revenue Generating			
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित	
			प्रतिदिन			
			प्रतिमाह			
			वार्षिक			
		गैर राजस्व प्राप्ति				
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी			
		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम/पक्का/सोलिंग/कच्चा /सभी		
				पक्की सड़क		
			निकट रोड की दूरी	राष्टीय हाइवे/रा0 हाईवे/जि0प्र0मार्ग/अन्य जि0 मार्ग		
				रा0 हाइवे		
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन/हाल्ट/महत्वपूर्ण रेलवे ज0 से दूरी		
				परमिनियां हाल्ट–6 कि0मी0		
			हवाई यात्रा	पटना-से गया की दूरी		
				230 कि0मी0		
		सीट	होटल/लॉज/डारमेटरी/धर्मशाला/पेंईग गेस्ट/अन्य			
			उपलब्ध 8.6 कि0मी0			
		आहार गृह	भोजनालय/ढ़ाबा/अन्य			
		नागरिक सुविधाऐं	शौच/प्रसाधन/स्नान गृह/परिधान गृह			
		पेय जल	सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य			
			हां			

5		मार्गीय सुविधा दूरी सहित	निकटतम पक्की सड़क		
		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड	दिवारी भगवती स्थान		
		विद्युतीकरण	निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता		
			उपलब्ध		
		उदबोधन			
		मनोरंजन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य		
			नहीं		
		सार्वजनिक परिवहन	बस/वाहन/टैक्सी/बगही/अपरम्परागत श्रोत से चलने वाले		
			बोलेरो, रिक्सा, जीप एवं छोटे चार चक्का वाहन		
		पड़ाव			
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम		
			योजना पूर्ण होने का वर्ष		
			कुल व्यय		
			सृजित संरचना का नाम		
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा/संतोषजनक/असंतोषजनक	
7	गुणागुण ड्ड फासला				
	पर्यटन हेतु			विवाद रहित भूमि की आवश्यकता–वि0/क0/घूर अथवा ए/ड्ड	अविवादित

8	प्रस्तावित आधारभूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की उपलब्धता–गरमजरूआ / आम / खास / मालिक विभागीय रैयती / महामहिम राज्यपाल को हस्तांतरण की अद्यतन स्थिति				रैयती
				कुल अनुमानित खर्च				1000000.00
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो)							
10	अनुशंसा	पर्यअन स्थल विकसित की जा सकती है।						

अंचलाधिकारी,
कहरा

प्रखंड विकास पदाधिकारी
कहरा

अनुमंडल पदाधिकारी
सदर सहरसा

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा

जिलाधिकारी
सहरसा

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (Status) प्रतिवेदन

क्र	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति				
1	2	3	4	5	6				
		स्थल	माँ कत्यायनी स्थान मंदिर, महारस						
1		जिला	सहरसा						
		प्रखंड	बनमा ईटहरी						
		पंचायत / ग्राम	महारस						
		दूरी	30 कि0मी0						
2			चौहद्दी	उ0– भटपुरा					
				द0–कुशमी					
				पू0–बोरबा					
				प0–कासीमपुर					
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 57'36"				
				देशान्तर (Longitude)	86° 32'				
				छायाचित्र (Photography)	संलग्न				
			भूमि अधिग्रहण (Land Records)	गैर मजुरूआ–आम / खास / मालिक (Gairmazarua Aam/Khas/ Malik)	हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरणी				
					रा0 थाना सं	310			
					खाता	532			
					खेसरा	2212			
					रकवा (एकड़ में)	72 डी0			
					कुल रकवा (एकड़ में)				
			भूमि का उपयोग Existing Land Use	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records	सार्वजनिक				
				भूमि के उपयोग के बदलाव Changed Land Use					
3	पर्यटकीय सम्भावना	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक / धरोहर / पुरातत्व / धार्मिक / पर्यावरणीय / ग्रामीण / अन्य						
			माँ कत्यायनी माँ दुर्गा की षष्टी रूप है, यहाँ श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण होती है।						
		प्रकार	घरेलु	स्थानीय / अन्तर राज्यीय / अन्य राज्यीय					
				माँ कत्यानी का मंदिर स्थानीय है।					
			अन्तर्राष्ट्रीय	एशिया / द0पू0एशिया / अन्य					
				एशिया					

KATYANI MANDIR BANMA

3			Regular/Intermittent/Ocassion			
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित	
			प्रतिदिन	200		
			प्रतिमाह	5000		
			वार्षिक	60000		
			राजस्व प्राप्ति Revenue Generating			
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित	
			प्रतिदिन			
			प्रतिमाह	1500		
			वार्षिक	18000		
			गैर राजस्व प्राप्ति			
			नहीं			
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी	नहीं		
5		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम/पक्का/सोलिंग/कच्ची /सभी		
			निकट रोड की दूरी	राष्टीय हाइवे/रा० हाईवे/जि०प०मार्ग/अन्य जि० मार्ग		
				एन.एच. से 03 कि०मी०		
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन/हाल्ट/महत्वपूर्ण रेलवे ज० से दूरी		
				सिमरी बख्तियारपुर		
			हवाई यात्रा			
		सीट	होटल/लॉज/डारमेटरी/धर्मशाला/पेईंग गेस्ट/अन्य			
			नहीं			
		आहार गृह	भोजनालय/ढाबा/अन्य			
			भोजनालय–1			
		नागरिक सुविधाऐं	शौच/प्रसाधन/स्नान गृह/परिधान गृह			
			नही			
		पेय जल	सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य			
			एक चापाकल			
		मार्गीय सुविधा दूरी सहित	एन.ए. 107 भटपुरा से 3 कि०मी० पी०डब्लू०ओ० सड़क कुशमी से 2.5 कि०मी०			
		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड	नही			
		विद्युतीकरण	निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता			
			नहीं			
		उदबोधन	लाउडीस्पीकर			
		मनोरंजन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य			
			नहीं			
		सार्वजनिक [illegible]	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य			
			नहीं			

		पड़ाव	नहीं	
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम	सामुदायिक भवन (सौर रहित)
			योजना पूर्ण होने का वर्ष	2014-15 2015-16
			कुल व्यय	800000.00 (मो0 आठ लाख रू0 मात्र)
			सृजित संरचना का नाम	नहीं
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा / संतोषजनक / असंतोषजनक नहीं, असंतोषजनक
7	गुणागुणक फासला			
8	पर्यटन हेतु प्रस्तावित अधारभूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की आवश्यकता-वि0/क0/धूर अथवा ए/ड विवाद रहित भूमि की उपलब्धता-गरमजरूआ/आम/खास/मालिक विभागीय रैयती/महामहिम राज्यपाल को हस्तांतरण की अद्यतन स्थिति कुल अनुमानित खर्च
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो) नहीं			नहीं
10	अनुशंसा	माँ कात्यायानी स्थान मंदिर पर्यटन की दृष्टिकोण से अतिमहत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। मंदिर तक पहुँच पथ के रूप में पक्की सड़क का निर्माण किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है। साथ ही सार्वजनिक धर्मशाला, चाहरदिवारी, पेयजल, भोजनालय, इत्यादि का निर्माण कराने की अनुशंसा की जाती है। ताकि मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।		

अंचलाधिकारी, बनमा ईटहरी — प्रखंड विकास पदाधिकारी बनमा ईटहरी — अनुमंडल पदाधिकारी सिमरी बखितयारपुर

प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, सहरसा — अपर समाहर्त्ता, सहरसा — जिलाधिकारी, सहरसा

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (Status) प्रतिवेदन

क्रम	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति	
1	2	3	4	5	6	
1			मटेश्वर धाम, कोठों			
		जिला	सहरसा			
		प्रखंड	सिमरी बख्तियारपुर			
		पंचायत/ग्राम	कोठों			
		दूरी	16 कि0मी0			
2			चौहद्दी	उ0–सड़क		
				द0–नीज		
				पू0–पोखर		
				प0–राजा मास्टर टोला		
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 79'01" NORTH	
				देशान्तर (Longitude)	86° 52'24" EAST	
				छायाचित्र (Photography)	संलग्न	
			भूमि अधिग्रहण (Land Records)		हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरणी	
				गैर मजुरूआ–आम/खास/मालिक (Gairmazarua Aam/Khas/Malik)	रा0 थाना सं	15
					खाता	290
					खेसरा	1077, 1078
					रकवा (एकड़ में)	1.15
					कुल रकवा (एकड़ में)	
				विभागीय (Departmental)		
			भूमि का उपयोग	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records		

			Existing Land Use	भूमि के उपयोग के बदलाव Changed Land Use	नहीं	
3	पर्यटकीय सम्भावना	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक / धरोहर / पुरातत्व / धार्मिक / पर्यावरणीय / ग्रामीण / अन्य			
			धार्मिक			
3		प्रकार	घरेलु	स्थानीय / अन्तर राजीय / अन्य राज्यीय		
				स्थानीय		
			अन्तर्राष्ट्रीय	एशिया / द०पू०एशिया / अन्य		
				एशिया		
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	Regular/Intermittent/Ocassion			
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित	
			प्रतिदिन	–		
			प्रतिमाह	–		
			वार्षिक	वार्षिक		
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	राजस्व प्राप्ति Revenue Generating			
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित	
			प्रतिदिन	–		
			प्रतिमाह	–		
			वार्षिक	–		
			गैर राजस्व प्राप्ति			
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी			
		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम / पक्का / सोलिंग / कच्चा / सभी		
				पक्का		
			निकट रोड की दूरी	राष्टीय हाइवे / रा० हाईवे / जि०प्र०मार्ग / अन्य जि० मार्ग		
				1 कि०मी		
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन / हाल्ट / महत्वपूर्ण रेलवे ज० से दूरी		
				10 कि०मी०		
			हवाई यात्रा	पटना से गया की दूरी		
				16		
		सीट	होटल / लॉज / डारमेटरी / धर्मशाला / पेईंग गेस्ट / अन्य			
			नहीं			

5		आहार गृह	भोजनालय / ढाबा / अन्य						
			नहीं						
		नागरिक सुविधाएँ	शौच / प्रसाधन / स्नान गृह / परिधान गृह						
			शौचालय, पोखर कुआं						
		पेय जल	सरकार द्वारा आपूर्ति / चापाकल / कुआं / अन्य						
		मार्गीय सुविधा दूरी सहित							
		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड					नहीं		
		विद्युतीकरण	निरंतर / अनुपलब्ध / जनरेटर सेट की उपलब्धता						
		उदबोधन							
		मनोरंजन	फिल्म / विडियो हॉल / अन्य						
			नहीं						
		सार्वजनिक परिवहन	फिल्म / विडियो हॉल / अन्य						
			नहीं						
		पड़ाव	नहीं						
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम						
			योजना पूर्ण होने का वर्ष						
			कुल व्यय						
			सृजित संरचना का नाम						
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा / संतोषजनक / असंतोषजनक					
7	गुणागुण ड्रा फासला								
	पर्यटन हेतु			विवाद रहित भूमि की आवश्यकता–वि0 / क0 / धूर अथवा ए / ड					

8	प्रस्तावित अधारभूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की उपलब्धता–गरमजरूआ / आम / खास / मालिक विभागीय रैयती / महामहिम राज्यपाल को हस्तातंरण की अद्यतन स्थिति		
				कुल अनुमानित खर्च		
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो)					
10	अनुशंसा	मटेश्वर धाम, मंदिर बलवाहाट कांठो सिमरी बख्तियारपुर जिला–सहरसा अन्तर्गत अवस्थित है। यह मंदिर अति प्रचीन स्वंय से अंकुरित शिवलिंग है। हजारों वर्ष पूराने शिवलिंग की विशेषता यह है कि 22 एकड़ जमीन में बीच में 25 फीट के टिले पर काले पत्थर का स्वंय अंकुरित शिवलिंग चारों तरफ गोलाई में चबुतरा बना हुआ है। और चारां ओर 1.5 इंच का खाली स्थान पानी से भरा रहता है। मान्यता है कि इस जगह को कोई स्पर्ष नही किया है। इस गांव के बड़ बुजुर्ग एवं स्थानीय श्रद्धालु का ऐसा मानना है। स्थानीय श्रद्धालु का पर्व त्योहार के अवसर पर काफी भीड़ रहता है। उपर्युक्त तथ्यों एवं भौगोलिक स्थिति को देखते हुए मटेश्वर धाम, मंदिर बलवाहाट कोठों के सौन्दर्यीकरण हेतु एक पर्यटक स्थल के रूप स्थल पर मौजुद अन्य धार्मिक स्थलों का विकास अत्यंत ही आवश्यक है।				

अंचलाधिकारी,
सिमरी बख्तियारपुर

प्रखंड विकास पदाधिकारी
सिमरी बख्तियारपुर

अनुमंडल पदाधिकारी
सिमरी बख्तियारपुर

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा

जिलाधिकारी
सहरसा

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (**Status**) प्रतिवेदन

क्रम	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति			
1	2	3	4	5	6			
1		स्थान	लक्ष्मी नाथ गोसाई					
		जिला	सहरसा					
		प्रखंड	कहरा					
		पंचायत/ग्राम	बनगॉव दक्षिणी					
		दूरी	10 कि0मी0					
2			चौहद्दी	उ0–पुस्तकालय				
				द0–ललित झा वगैरह				
				पू0–सरकारी भवन				
				प0–महादेव मंदिर				
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 86'52" NORTH			
				देशान्तर (Longitude)	86° 51'28" EAST			
				छायाचित्र (Photography)	संलग्न			
			भूमि अधिग्रहण (Land Records)	विभागीय (Departmental)				
					अर्जित भूमि की विवरणी			
					रा0 थाना सं	137		
					खाता	1404, 1406, 1408		
					खेसरा	2159, 9502, 2198 एवं अन्य		
					रकवा (एकड़ में)	2.48 एकड़		
					कुल रकवा (एकड़ में)			
			भूमि का उपयोग Existing Land Use	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records	धार्मिक स्थल			
				भूमि के उपयोग के बदलाव Changed Land Use	धार्मिक स्थल			

3	पर्यटकीय सम्भावना	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक / धरोहर / पुरातत्व / धार्मिक / पर्यावरणीय / ग्रामीण / अन्य				
			धार्मिक स्थल				
3		प्रकार	घरेलु	स्थानीय / अन्तर राजीय / अन्य राज्यीय			
				स्थानीय			
			अन्तर्राष्ट्रीय	एशिया / द0पू0एशिया / अन्य			
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	Regular/Intermittent/Ocassion				
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित		
			प्रतिदिन		1000		
			प्रतिमाह		12000		
			वार्षिक		144000		
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	राजस्व प्राप्ति Revenue Generating				
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित		
			प्रतिदिन				
			प्रतिमाह				
			वार्षिक				
			गैर राजस्व प्राप्ति				
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी				
		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम / पक्का / सोलिंग / कच्चा / सभी			
				पक्की सड़क			
			निकट रोड की दूरी	राष्टीय हाइवे / रा0 हाईवे / जि0प्र0मार्ग / अन्य जि0 मार्ग			
				जिला प्र0 मार्ग			
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन / हाल्ट / महत्वपूर्ण रेलवे ज0 से दूरी			
				10 कि0मी0			
			हवाई यात्रा	पटना से गया की दूरी			
				230 कि0मी0			
		सीट	होटल / लॉज / डारमेटरी / धर्मशाला / पेईंग गेस्ट / अन्य				
			धर्मशाला				
		आहार गृह	भोजनालय / ढाबा / अन्य				
		नागरिक सुविधाऐं	शौच / प्रसाधन / स्नान गृह / परिधान गृह				
			शौचालय				
		पेय जल	सरकार द्वारा आपूर्ति / चापाकल / कुआं / अन्य				
			चापाकल				

5		मार्गीय सुविधा दूरी सहित	सड़क						
		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड	लक्ष्मी नाथ गोसाई						
		विद्युतीकरण	निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता						
		उदबोधन							
		मनोरंजन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य						
		सार्वजनिक परिवहन	बस/वाहन/टैक्सी/बग्गी/अपरम्परागत श्रोत से चलने वाले टेक्सी मोटर (चारपहिया वाहन)						
		पड़ाव							
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम						
			योजना पूर्ण होने का वर्ष						
			कुल व्यय						
			सृजित संरचना का नाम						
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा/संतोषजनक/असंतोषजनक					
7	गुणागुण व फासला								
	पर्यटन हेतु			विवाद रहित भूमि की आवश्यकता–कि0/क0/धूर अथवा ए/ड	अविवादित				

8	प्रस्तावित अधारमूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की उपलब्धता–गैरमजरूआ/आम/खास/मालिक विभागीय रैयती/ महामहिम राज्यपाल को हस्तांतरण की अद्यतन स्थिति	2.48 एकड़ रैयती
				कुल अनुमानित खर्च	1000000.00 (एक करोड़)
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो)				
10	अनुशंसा	संत लक्ष्मीनाथ गोसाईं, सहरसा जिले के कहरा प्रखंड अन्तर्गत बनगाँव दक्षिणी पंचायत के बनगाँव में अवस्थित है। इस स्थल का ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातत्विक महत्व है। स्थानीय ग्रामीण एवं श्रद्धालुओं का पूजा पाठ करने हेतु अत्यधिक भीड़ रहती है। अतएव उक्त स्थल को पर्यटकीय दृष्टिकोण से विकसित करने की अनुशंसा की जाती है।			

अंचलाधिकारी,
कहरा

प्रखंड विकास पदाधिकारी
कहरा

अनुमंडल पदाधिकारी
सदर सहरसा

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा

जिलाधिकारी
सहरसा

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (**Status**) प्रतिवेदन

क्रम	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
		स्थल	सूर्य मंदिर मड़वार कन्दाहा		
1		जिला	सहरसा		
		प्रखंड	महिषी		
		पंचायत/ ग्राम	कन्दाहा		
		दूरी	25 कि0मी0		
2			चौहदी	उ0– राजेन्द महतो	
				द0–गिरिजानन्द झा	
				पू0–इट सोलिंग	
				प0–पक्की सड़क	
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 53'43" NORTH
				देशान्तर (Longitude)	86° 29'09" EAST
				छायाचित्र (Photography)	संलग्न
			भूमि अधिग्रहण (Land Records)		हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरणी
				गैर मजरूआ–आम/खास/ मालिक (Gairmazarua Aam/Khas/ Malik)	रा0 थाना सं — 97
					खाता — 187
					खेसरा — 385
					रकबा (एकड़ में) — 22 डी
					कुल रकबा (एकड़ में) — 22 डी
			भूमि का उपयोग Existing Land Use	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records	
				भूमि के उपयोग में बदलाव Changed Land Use	
3	पर्यटकीय सम्भावना	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक/धरोहर/पुरातत्व/धार्मिक/पर्यावरणीय/ग्रामीण/अन्य		
			सूर्य मंदिर मड़वार कन्दाहा का पर्यटन के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक, पुरातत्व, धार्मिक, महत्व है।		
		[illegible]	घरेलु	स्थानीय/अन्तर राजीय/अन्य राज्यीय	
				स्थानीय	

			[illegible]	एशिया	
3		प्रत्यायी न्यायी Frequency	Regular/Intermittent/Ocassion		
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित
			प्रतिदिन	100	
			प्रतिमाह	3000	
			वार्षिक	36000	
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	राजस्व प्राप्ति Revenue Generating		
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित
			प्रतिदिन		
			प्रतिमाह		
			वार्षिक		
			गैर राजस्व प्राप्ति		
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी	26 कि0मी0	
5		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम/पक्का/सोगिन/कच्चा /सभी	
				पक्की सड़क	
			निकट रोड की दूरी	राष्टीय हाइवे/रा0 हाईवे/जि0प्र0मार्ग/अन्य जि0 मार्ग	
				290 कि0मी0	
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन/हाल्ट/महत्वपूर्ण रेलवे ज0 से दूरी	
				सहरसा	
			हवाई यात्रा	पटना से गया की दूरी	
				300 कि0मी0	
		सीट	होटल/लॉज/डारमेटरी/धर्मशाला/पेईंग गेस्ट/अन्य		
			नहीं		
		आहार गृह	भोजनालय/ढाबा/अन्य		
			नहीं		
		नागरिक सुविधाऐं	शौच/प्रसाधन/स्नान गृह/परिधान गृह		
			शौचालय एवं स्नान गृह		
		पेय जल	सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य		
			चापाकल एवं कुआं		
		मार्गीय सुविधा दूरी सहित			
		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड			
		विद्युतीकरण	निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता		
		उदबोधन			
		मनोरंजन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य		
			नहीं		

		सार्वजनिक परिवहन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य						
			नहीं						
		पड़ाव	नहीं						
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम						
			योजना पूर्ण होने का वर्ष						
			कुल व्यय						
			सृजित संरचना का नाम						
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा/संतोषजनक/असंतोषजनक					
7	गुणगुनक फासला								
8	पर्यटन हेतु प्रस्तावित अयारभूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की आवश्यकता–वि0/क0/यूर अथवा ए/ड					
				विवाद रहित भूमि की उपलब्धता–गरमजरूआ/आम/खास/मालिक विभागीय रैयती/महामहिम राज्यपाल को हस्तातरण की अद्यतन स्थिति					
				कुल अनुमानित खर्च					
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो)								
10	अनुशंसा	सूर्य मंदिर कन्दाहा का ऐतिहासिक, धार्मिक, एवं स्थानीय महत्व है। स्थानीय श्रद्धालुओ का पर्व त्योहार के अवसर पर पूजा अर्चना करने हेतु काफी भीड़ रहती है। ऐसा धारना है कि इस मंदिर के कुआं के जल से स्नान करने पर चर्म रोग से निजात मिल जाता है। उपर्युक्त तथ्यों एवं भौगोलिक स्थिति को देखते हुए कन्दाहा के सौन्दर्यीकरण हेतु एक पर्यटक स्थल के सूर्य मंदिर का विकास अत्यंत ही आवश्यक है।							

अंचलाधिकारी,
महिषी

प्रखंड विकास पदाधिकारी
महिषी

अनुमंडल पदाधिकारी
सदर सहरसा

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा

जिलाधिकारी
सहरसा

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (Status) प्रतिवेदन

क्र०	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति				
1	2	3	4	5	6				
			मंडन धामनिश्र, महिषी						
		जिला	सहरसा						
		प्रखंड	महिषी						
		ग्राम	महिषी						
1		दूरी	20 किलोमीटर						
2			चौहद्दी	उ०	संस्कृत उ०वि० महिषी				
				द०	भारती मंडन वेद विद्या स्कूल महिषी				
				पू०	निज फनी मिश्र				
				प०	मुशी झा, टनटन झा				
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 86'54" NORTH				
				देशान्तर (Longitude)	86° 47'20" EAST				
				छायाचित्र (Photography)	संलग्न				
					राजस्व थाना सं	105			
					खाता	4103 अनावाद बिहार सरकार एवं 4104 अनावाद सर्वसाधारण			
					खेसरा	8039,8040.			
					रकबा (एकड़ में)	35 डी 01 एकड़ 01 डी०			
					कुल रकबा (एकड़ में)	1 एकड़ 36 डी०			
				विभागीय (Departmental)					
			भूमि का उपयोग Existing Land Use	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records					
				भूमि के उपयोग के बदलाव Changed Land Use					

3	पर्यटकीय सम्भावना	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक/धरोहर/पुरातत्व/धार्मिक/पर्यावरणीय/ग्रामीण/अन्य				
			पर्यटन के दृष्टिकोण से मंडल धाम का ऐतिहासिक, पुरातत्व, धार्मिक महत्व है। स्थानीय ग्रामीण श्रद्धालुओं का पर्व त्योहार के अवसर पर पूजा पाठ करने हेतु अधिक भीड़ रहती है।				
		प्रकार	धरेलु	स्थानीय/अन्तर राजीय/अन्य राज्यीय			
				स्थानीय/ ग्रामीण/ श्रद्धालुओं का पर्व त्योहार के अवसर पर पूजा पाठ करने हेतु अधिक भीड़ रहती है। अन्तर राज्यीय पर्यटक भी आते रहते हैं।			
			अन्तर्राष्ट्रीय	एशिया/द०पू०एशिया/अन्य			
				नगण्य			
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	Regular/Intermittent/Ocassion				
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित		
			प्रतिदिन	88	165–200		
			प्रतिमाह	2640	50000–60000		
			वार्षिक	31000–32000	5 लाख –6 लाख		
		प्रत्यायी न्यायी Frequency	राजस्व प्राप्ति Revenue Generating				
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित		
			प्रतिदिन	शून्य			
			प्रतिमाह	शून्य			
			वार्षिक	शून्य			
			गैर राजस्व प्राप्ति				
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी	20 कि०मी०			
		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम/पक्का/सोलिंग/कच्चा /सभी			
				सभी मौसम पक्की सड़क			
			निकट रोड की दूरी	राष्ट्रीय हाइवे/रा० हाईवे/जि०प्र०मार्ग/अन्य जि० मार्ग			
				एन.एच. 107 हाइवे–105 कि०मी०, एन.एच 106 से 5 कि०मी०			
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन/हाल्ट/महत्वपूर्ण रेलवे ज० से दूरी			
				निकटवर्ती रेवले स्टेशन–सहरसा ज० से 20 कि०मी०			
			हवाई यात्रा	पटना से गया की दूरी 290 कि०मी०			
		सीट	होटल/लॉज/डारमेटरी/धर्मशाला/पेईंग गेस्ट/अन्य				
			डारमेटरी/धर्मशाला			उपलब्ध	
		आहार गृह	भोजनालय/ढाबा/अन्य			कैफेटीन	
		नागरिक सुविधाऐं	शौच/प्रसाधन/स्नान गृह/परिधान गृह			सभी उपलब्ध	
		पेय जल	सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य			सभी उपलब्ध	
			सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य			उपलब्ध	

5		मार्गीय सुविधा दूरी सहित	पूर्णिया से सहरसा की दूरी पर्यटन स्थल सहित लगभग 200 कि0मी0	–	–	–	–		
		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड	पहचान सूचक मार्गों के पास बोर्ड लगे हुए हैं।	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ		
		विद्युतीकरण	निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता						
			विद्युतीकरण सेवा उपलब्ध					जनरेटर सेट अनुपलब्ध	
		उदबोधन							
		मनोरंजन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य					उपलब्ध	
			02 सिनेम हॉल उपलब्ध						
		सार्वजनिक परिवहन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य					उपलब्ध	
			रेल, बस, ओटो रिक्शा उपलब्ध					उपलब्ध	
		पड़ाव							
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम	तारा स्थान महिषी का विकास एवं सौंदर्यीकरण					
			योजना पूर्ण होने का वर्ष	2008–09	प्राक्कलित राशि–3780000.00				
			कुल व्यय	3630000.00					
			सृजित संरचना का नाम	तारा स्थान महिषी में पर्यअन सुविधा केन्द, मंदिर परिसर में प्रकाश का व्यवस्था					नही
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा/संतोषजनक/असंतोषजनक					
				संतोषजनक					
7	गुणागुण क्ष फासला								
	पर्यटन रैल			विवाद रहित भूमि की आवश्यकता–वि0/क0/धूर अथवा ए/ड					

8	५ प्रस्तावित अधारभूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की उपलब्धता–गरमजरूआ/आम/खास/मालिक विभागीय रैयती/महामहिम राज्यपाल को हस्तातंरण की अद्यतन स्थिति					
				कुल अनुमानित खर्च					
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो)								
10	अनुशंसा	मंडनधाम का पर्यटन के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक/धार्मिक/पर्यावरणीय अधिक महत्व है स्थानीय ग्रामीण श्रद्धलूओं का पर्व त्यौहार के अवसर पर पूजा अर्चना करने के लिए अत्यधिक भीड़ रहता है। उपर्युक्त तथ्यों एवं भौगोलिक स्थिति को देखते हुए शहर के सौन्दर्यीकरण हेतु एक पर्यटक स्थल के रूप मंडन मिश्रधाम का विकास अत्यंत ही आवश्यक है।							

अंचलाधिकारी,
महिषी

प्रखंड विकास पदाधिकारी
महिषी

अनुमंडल पदाधिकारी
सदर सहरसा

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा

जिलाधिकारी
सहरसा

संभावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (Status) प्रतिवेदन

क्र0	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति				
1	2	3	4	5	6				
		स्थल	कारू खिरहर स्थान महिषी						
1		जिला	सहरसा						
		प्रखंड	महिषी						
		पंचायत/ ग्राम	महपुरा						
		दूरी	30 कि0मी0						
2			चौहद्दी	उ0– सरयुग खिरहर पिता–स्व0 धनराज खिरहर					
				द0–क्वोड़ मौजा					
				पू0–रामसेवक पिता–स्व0 भुप ना0 खिरहर					
				प0–नदी					
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25° 49'36" NORTH				
				देशान्तर (Longitude)	86° 26'39" EAST				
				छायाचित्र (Photography)	संलग्न				
			भूमि अधिग्रहण (Land Records)	गैर मजुरूआ– आम/खास/ मालिक (Gairmazarua Aam/Khas/ Malik)	हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरणी				
					रा0 थाना सं	105			
					खाता	668			
					खेसरा	2526,2526, 2529,2530, 2543,3261, 3261,3252, 3262			
					रकबा (एकड़ में)	03 एकड़ 26 डी०			
					कुल रकबा (एकड़ में)	03 एकड़ 26 डी०			
			भूमि का उपयोग Existing Land Use	भूमि अभिलेख के आधार पर As per Land Records					
				भूमि के उपयोग के बदलाव Changed Land Use					
3	पर्यटकीय सम्भावना	पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्व	ऐतिहासिक/धरोहर/पुरातत्व/धार्मिक/पर्यावरणीय/ग्रामीण/अन्य						
			कारू स्थान महपुरा महिषी का पर्यटन के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक, पुरातत्व, धार्मिक, महत्व है।						

3		प्रकार	घरेलु	स्थानीय/अन्तर राजीय/अन्य राज्यीय	
				स्थानीय	
			अन्तर्राष्ट्रीय	एशिया/द०पू०एशिया/अन्य	
				एशिया	
		प्रत्यायी न्यायी Frequency		Regular/Intermittent/Ocassion	
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित
			प्रतिदिन	100.	
			प्रतिमाह	3000	
			वार्षिक	36000	
		प्रत्यायी न्यायी Frequency		राजस्व प्राप्ति Revenue Generating	
			पदार्पण	पूर्व वर्ष	प्रस्तावित
			प्रतिदिन		
			प्रतिमाह		
			वार्षिक		
				गैर राजस्व प्राप्ति	
4		पर्यटक सूचना केन्द्र	दूरी	30 कि०मी०	
5		संयोजकता Connectivity	निकट रोड	सभी मौसम/पक्का/सोलिंग/कच्ची /सभी	
				सभी मौसम/पक्की सड़क	
			निकट रोड की दूरी	राष्टीय हाइवे/रा० हाईवे/जि०प्र०मार्ग/अन्य जि० मार्ग	
				295 कि०मी०	
			रेल	निकटवर्ती रेलवे स्टेशन/हाल्ट/महत्वपूर्ण रेलवे ज० से दूरी	
				सहरसा	
			हवाई यात्रा	पटना से गया की दूरी	
				305 कि०मी०	
		सीट		होटल/लॉज/डारमेटरी/धर्मशाला/पेईंग गेस्ट/अन्य	
				धर्मशाला	
		आहार गृह		भोजनालय/ढाबा/अन्य	
				नहीं	
		नागरिक सुविधाऐं		शौच/प्रसाधन/स्नान गृह/परिधान गृह	
				शौचालय एवं स्नान गृह	
		पेय जल		सरकार द्वारा आपूर्ति/चापाकल/कुआं/अन्य	
				चापाकल	
		मार्गीय सुविधा दूरी सहित			
		पहचान सूचक मार्गों के पास लगे बोर्ड			
		विद्युतीकरण		निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता	
				उपलब्ध	
		उदबोधन			
				नहीं	
		मनोरंजन		फिल्म/विडियो हॉल/अन्य	

		[illegible]	नहीं						
		सार्वजनिक परिवहन	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य						
			नहीं						
		पड़ाव	नहीं						
6	संरचना सरकार द्वारा सृजित	सरकार द्वारा गत पांच वर्ष में सृजित संरचना	योजना का नाम						
			योजना पूर्ण होने का वर्ष						
			कुल व्यय						
			सृजित संरचना का नाम						
			संरचना की भौतिक स्थिति	अच्छा/संतोषजनक/असंतोषजनक					
				संतोषजनक					
7	गुणागुणक कासाला								
8	पर्यटन हेतु प्रस्तावित आधारभूत संरचना का विकास	संघटक	उप संघटक	विवाद रहित भूमि की आवश्यकता–वि0/क0/धूर अथवा ए/ड					
				विवाद रहित भूमि की उपलब्धता–परमजरूआ/आम/खास/मालिक विभागीय ऐयती/महामहिम राज्यपाल को हस्तातंरण की अद्यतन स्थिति					
				कुल अनुमानित खर्च					
9	संवैधानिक निर्गम (यदि कोई हो तो)								
10	अनुशंसा	कारू स्थान महपुरा महिषी का ऐतिहासिक, धार्मिक, एवं स्थानीय महत्व है। स्थानीय श्रद्धालुओं का पर्व त्योहार के अवसर पर पूजा अर्चना करने हेतु काफी भीड़ रहती है। ऐसा धारना है कि इस मंदिर में पुजा अर्चना करने के उपरान्त दूध का अभिषेक करने से हिन्दु श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण होती है।उक्त तथ्यों एवं भौगोलिक स्थिति को देखते हुए कारू स्थान महपुरा महिषी का पर्यटक स्थल के रूप में विकास अत्यंत ही आवश्यक है।							

अंचलाधिकारी,
महिषी

प्रखंड विकास पदाधिकारी
महिषी

अनुमंडल पदाधिकारी
सदर, सहरसा

प्रभारी पदाधिकारी,
सामान्य शाखा, सहरसा

जिलाधिकारी
सहरसा

सम्भावित पर्यटकीय स्थल स्थिति (Status)प्रतिवेदन

	विषय	बिन्दु	विवरणी	अवस्था	अभ्युक्ति
	2	3	4	5	6
1	नाम/पता/जिला मुख्यालय से दूरी	माँ कत्यायनी स्थान मंदिर, महारस			
		जिला	सहरसा		
		प्रखण्ड	बनमा ईटहरी		
		पंचायत/ग्राम	महारस		
		दूरी	30		
2	स्थान	एक/अनेक	चौहदी	उ०– भटपुरा	
				द०– कुशमी	
				पू०– बोरबा	
				प०– कासीमपुर	
			भौगोलिक	अक्षांश (Latitude)	25 57.36
				देशान्तर (Longitade)	86° 32
				छायाचित्र (Photograph)	संलग्न
			भूमि अधिग्रहण (Land Records)	Gairmazaura-Aam/Khas/Malik ,	
				विभागीय (Departmental)	
				रैयती (Rayati)	
				राजस्व थाना सं0 (Revenue Thana No.)	310
				खाता सं0 (Khata No.)	532
				खेसरा सं0 (Khesra No.)	2212
				रकबा (Rakba-B/K/D or A/D.)	72 डी0
			भूमि का उपयोग (Existing Land Use)	भूमि अभिलेख के आधार पर (As per land records)	सार्वजनिक
				भूमि के उपयोग में बदलाव (Changed land Use)	
3	पर्यटकीय सम्भावना (Tourism Patential)	पर्यटन के दृष्टिकोण के महत्व (Imprtance wrt Tourism)	ऐतिहासिक/धरोहर/पुरातत्व/धार्मिक/पर्यावरणीय/ग्रामीण/अन्य (स्पष्ट उल्लेख करें) (Historical/Heritage/Archaeological/Religious/Ecological/Rural/Others (Please speficy)		
			माँ कत्यानी माँ दुर्गा की षष्टी रूप हैं, यहाँ श्रद्धालुओं की मनोकामना पूर्ण होती है।		
4		प्रकार (Type)	घरेलू (Domestic)	स्थानीय/अन्तर राज्यीय/अन्तः राज्यीय (Local/Intrastate/Interstate)	
				माँ कत्यानी का मंदिर स्थानीय है।	
			अन्तर्राष्ट्रीय (Internat)	एशिया/द0पू0 एशिया/अन्य (Asia/Se-Asia/Others)	
		प्रत्ययी न्यायी (Frequency)	Regular/Intermittent/Ocassion		
			पदार्पन (Arrival)	पूर्व वर्ष (Last Year)	प्रस्तावित
			प्रतिदिन (Daily)	200	

22.02.14

B. D. O.

Banma-Itheri (Saharsa)

5		पहचानसूचक (मार्गो के पास लगे बोर्ड) (Signages)	नहीं		
		विद्युतीकरण (Electricity)	निरंतर/अनुपलब्ध/जनरेटर सेट की उपलब्धता Reeular/		
			नहीं		
		उद्दीपन (Illumination)	लाउडीस्पीकर		
		मनोरंजन (Entertaninment)	फिल्म/विडियो हॉल/अन्य Movie/ Video Hall/ Others		
			नहीं		
		सार्वजनिक परिवहन, यदि हो तो (Public Transport if any)	बस/वाहन/टैक्सी/बग्गी/अपरम्परागत श्रोत से चलनेवाले		
			नहीं		
		पड़ाव (parking)	नहीं		
6	(संरचना सरकार द्वारा सृजित) (Assets as Created by Govt if any)	सरकार द्वारा गत पाँच वर्ष मेंसृजित संख्या (Created by Govt. in last Five years)	योजना का नाम Name of Scheme(s)	सामुदायिक भवन (सौर सहित)	
			योजना के पूर्ण होने का वर्ष Years Campletion	2014–15 2015–16	
			कुल व्यय Total expenditure incurred	800000.00 (गो० आठ लाख रू० मात्र)	
			सृजित संरचना का नाम Name of asset(s) created	नहीं	
			संरचना की भौतिक स्थिति Physical status of asset (s)	अच्छा/संतोषजनक/ असंतोषजनक/Good/Satisfactory/Unsatisfactory	
				नहीं, असंतोषजनक	
7	[illegible]				
				विवाद रहित भूमि की आवश्यकता वि/क/धूर अथवा ए/ड requireinent of unencumbered land B/K/D or A/D	

B. D. O.

बि०स०मु० 13 (एल०ए०) 2025-26 डी०टी०पी०-300

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा मुद्रित
2025